जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम

डी0पी0ई0पी0 – III

संशोधित पर्सपेक्टिव प्लान
(Revised Perspective Plan)
वर्ष 2000–05

जनपद – चम्पावत

उत्तरांचल

जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम – III

संशोधित पर्सपेक्टिव प्लान
वर्ष 2000–05

जनपद चम्पावत

अनुक्रमणिका

अध्याय संख्या	अध्याय /सारणी	पृष्ठ संख्या	
		से	तक
01	भाग 01 जनपद का परिचय	1	6
	भाग 02 जनपद का शैक्षिक परिदृश्य	7	15
	भाग 03 परियोजना के प्रमुख लक्ष्य एवं उद्देश्य	16	16
02	परियोजना की अद्यतन प्रगति (भौतिक एवं वित्तीय)	17	35
03	परियोजना के लक्ष्यों में अन्तराल की स्थिति	36	37
04	अतिरिक्त प्रस्तावित कार्यक्रम सिविल एवं अन्य	38	38
05	संशोधित कार्ययोजना एवं बजट संशोधित पर्सपेक्टिव प्लान सारणी, सारणी ई., ई.1, Abstract of AWP & B Proposals 2000-05, Statement of Civil Work and Management Cost	39	51

संशोधित पर्सपेक्टिव प्लान

अध्याय–01

भाग–1 जनपद का परिचय : (DISTRICT PROFILE)

भूमिका:

किसी भी शैक्षिक योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं शतशः सफलता के लिए योजना लक्ष्यों को प्रभावित करने वाले कारकों की पहचान कर लेना आवश्यक है। भू–रचना, जलवायु, मौसम, रीतिरिवाज, आस्थाएँ इन सबसे शिक्षा का गहरा सम्बन्ध है। कोई भी शिक्षा योजना इन भिन्नताओं को ध्यान में रखे बिना धरातल पर खरी नहीं उतर सकती।

जनपद की क्षेत्रीय आवश्यकताएँ, अपेक्षाएँ, भौगोलिक परिस्थितियाँ, समस्याएँ एवं उपलब्ध मानवीय व भौतिक संसाधनों की जानकारी निम्नांकित बिन्दुओं में वर्णित की जा रही है।

जनपद की स्थापना:

जनपद चम्पावत का सृजन 15 सितम्बर 1997 को पैतृक जनपद पिथौरागढ़ के तहसील चम्पावत के चार विकास खण्डों पाटी, बाराकोट, लोहाघाट, चम्पावत को पृथक कर किया गया है। बाद में जनपद उधमसिंहनगर के 35 राजस्व ग्रामों एवं टनकपुर नगर पंचायत व बनबसा छावनी क्षेत्र को भी इस जनपद में सम्मिलित किया गया है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:

प्राचीन काल से ही इस क्षेत्र का ऐतिहासिक दृष्टि से बड़ा महत्वपूर्ण स्थान रहा है। प्राचीन काल में यह क्षेत्र नाग, किन्नर, खस आदि जातियों का मूल स्थान रहा है। वर्तमान में विकास खण्ड चम्पावत में स्थित खिरद्वारी गॉव में 'राजी' (बनरावत) जनजाति की उपस्थिति तत्कालीन किन्नर जाति के निवास करने को प्रमाणित करता है। जनपद में विद्यमान अनेक अभिलेख, शिलाएँ, स्तम्भ तथा मन्दिर महाभारतकालीन सभ्यता को प्रमाणित करते हैं। घटोत्कच मंदिर, ऐड़ी (अर्जुन) मंदिर, बालेश्वर मंदिर ताड़केश्वर, वाणासुर का किला, देवीधूरा का मॉ बाराही देवी मंदिर तथा न्याय के देवता के रूप में मान्य गोलज्यू का मंदिर इस क्षेत्र के प्राचीन ऐतिहासिक महत्व को उजागर करते हैं।

मध्यकाल में कत्यूर साम्राज्य के प्रभुत्व का प्रमाण भी ऐतिहासिक संग्रहों में मिलता है। अर्जुन देव ने अपनी कन्या चम्पादेवी का विवाह इलाहाबाद के सोमचन्द से करने के उपरान्त 11वीं सदी में चन्द राजाओं ने इस क्षेत्र में चन्द वंश की स्थापना का श्रीगणेश किया। कालान्तर में 1790 ई० में गोरखा राज्य के प्रभुत्व में आने पर चन्द साम्राज्य अस्तित्वहीन हो गया। तत्पश्चात् ब्रिटिश शासकों ने इस क्षेत्र को अपने साम्राज्य के अधीन कर लिया।

भौगोलिक स्थितिः

भौगोलिक विस्तार की दृष्टि से जनपद चम्पावत 29^0, 5^1 उ0 अक्षांश से 29^0, 30^1 उ0 अक्षांश तक तथा 79^0, 59^1 पूर्वी0 देशान्तर से 80^0, 3^1 पूर्वी देशान्तर के मध्य फैला है।

सीमाः

उत्तर में राम गंगा नदी जनपद पिथौरागढ़ से पश्चिम में पनार नदी जनपद अल्मोड़ा से दक्षिण में जगबूडा नदी जनपद उधमसिंहनगर से तथा द0प0 में स्थित ऊँची पर्वत चोटियॉ व लधिया नदी जनपद नैनीताल से सीमा का निर्धारण करती हैं। पूर्व की ओर काली नदी नेपाल देश के साथ अन्तर्राष्ट्रीय सीमा का निर्धारण करती है जो कि सामरिक दृष्टि से अति महत्वपूर्ण है।

समुद्र तल से ऊचाईः

जनपद की विभिन्न क्षेत्रों में समुद्र तल से न्यूनतम ऊँचाई 200 मीटर (टनकपुर) व अधिकतम ऊँचाई 7550 मीटर (देवगुरू पर्वत चोटी) है।

स्थलाकृतिः

ऊँची ऊँची पर्वत श्रृंखलाएँ, गहरी घाटियॉ, ढालूदार भूमि, कटी–फटी पथरीली चट्टाने, नदी नालों, अल्प तराई मैदानी भू–भाग जनपद चम्पावत की स्थलाकृति की परिचायक है। भौगोलिक रचना की दृष्टि से जनपद की स्थलाकृति मुख्यतः तीन भागों में बॉटी जा सकती है।

1) तराई/भावर क्षेत्रः यह क्षेत्र कृषि योग्य मैदानी एवं ऊष्ण जलवायु वाला भू–भाग है।

2) शिवालिक क्षेत्रः यह क्षेत्र 200 से 1200 मीटर ऊँचाई वाला भू–भाग है। यह भाग वनों से आच्छादित तथा तीव्र ढालूदार तथा कटी–फटी स्थलाकृति वाला हैं।

3) ऊँचे पर्वतीय क्षेत्रः यह क्षेत्र समुद्र तल से 1200 मीटर से 7550 मीटर की ऊँचाई वाला भाग है। यह भाग नदी नाले, पर्वत, घाटियॉ तथा अल्प कृषि योग्य भूमि वाला भाग है।

जलवायु/मौसमः

जनपद चम्पावत विभिन्न प्रकार की जलवायु वाला भू–भाग है। एक ओर तराई भावर का गरम क्षेत्र है, कम ऊँचाई वाले शिवालिक क्षेत्र की चट्टानें, घाटियॉ शीतोष्ण क्षेत्र है वहीं दूसरी ओर ऊँचे पर्वतीय क्षेत्र हैं जो अत्यंत ठंडी जलवायु वाले क्षेत्र हैं। तराई क्षेत्र में 20 सेंमी0 औसत वार्षिक वर्षा होती है तथा सर्दियों में ठंड तथा कोहरा छाया रहता है। हवा, कोहरा, आर्द्रता आदि विभिन्न क्षेत्रों के अनुरूप भिन्न–2 हैं। मई से जुलाई गरम तथा दिसम्बर से फरवरी ठंडे महीने हैं। गर्मियों में पहाड़ के ऊँचाई वाले क्षेत्र एवं जाड़ों में वर्फ से आच्छादित चोटियां पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र रहते हैं।

पशु पक्षीः

विभिन्न वन्य प्रजातियॉ चीता, तेंदुआ, हाथी, नीलगाय, चीतल, कॉकड़, बारासिंघा, घुरड़ हिरन, भालू, बन्दर, लंगूर, सुंअर आदि हैं। अनेक सरीसृप प्रजातियॉ तथा सुन्दर पक्षियॉ भी यहॉ निवास करती है। बर्ड–माइग्रेशन के रूप में साइबेरिया से आने वाली अनेक पक्षी प्रजातियॉ भी यहॉ अपनी बिहार स्थली बनाते हैं।

धार्मिक एवं सांस्कृतिक विशेषताऍः

धार्मिक दृष्टि से इस क्षेत्र को सभी धर्मो का संगम स्थल भी कहा जा सकता है। जहॉ एक ओर हिन्दू देवताओं एवं पाण्डव युग के मंदिर हैं। वहीं दूसरी ओर जनपद के पश्चिमी छोर में सिक्खों का पवित्र गुरूद्वारा "रीठासाहिब" है। जनपद के समीप 'खूना' नामक स्थान पर मुस्लिम धर्म की मस्जिद व बनबसा में इसाई लोगों की चर्च भी स्थित है। आराध्य देवी मॉ बाराही, देवीधूरा के मंदिर में प्रतिवर्ष रक्षाबन्धन के दिन 'बग्वाल' (पाषाण युद्ध) भी प्राचीनतम युद्ध कौशल की याद दिलाता है। जनपद के अन्तर्गत 16 किमी0 दूरी पर स्वामी विवेकानन्द का पवित्र अद्वैत आश्रम मायावती नामक स्थान पर स्थित है। जो उनके जीवन के आदर्शो के साथ–2 धर्म, शिक्षा एवं आध्यात्म का ज्ञान कराता है।

आर्थिक / सामाजिक दशाः

यहॉ की अर्थव्यवस्था मुख्यतः नौकरी पेशे पर निर्भर है। कृषि कार्य एवं अन्य घरेलू कार्यों की जिम्मेदारी महिलाओं पर निर्भर है।

उपलब्ध संसाधन

वन सम्पदाः

जनपद का 65 प्रतिशत भू–भाग वनों से आच्छादित है तथा शेष 35 प्रतिशत भू–भाग कृषि योग्य, बंजर व चरागाह युक्त है। तराई क्षेत्र में साल, सागौन, शीशम, खैर, हल्दू, यूकेलिप्टिस, बॉस, जामुन, मालू, मदार, बेल आदि वनस्पतियॉ पाई जाती हैं। पर्वतीय भागों में मुख्यतः चीड़, देवदार, टुन, साल आदि इमारती वृक्ष तथा बॉज, काफल, जामुन, शीमल, उतीस आदि ईधन वाले वृक्ष तथा बॉस, भीमल, रामबॉस आदि अन्य वनस्पतियॉ तथा खड़क, तीमल, आदि चारे के रूप में प्रयोग की जाने वाली वनस्पतियॉ एवं कटीली झाड़ियॉ आदि यहॉ की प्रमुख वनस्पतियॉ हैं। वन सम्पदा यहॉ के लोगों के आर्थिक विकास का प्रमुख साधन है।

खनिज सम्पदा:

हिमालयी क्षेत्र की खनिज सम्पदाओं की विशेषताओं के अनुरूप जनपद चम्पावत में भी खनिज सम्पदाओं की अपार सम्भावनाएँ हैं जैसे– ताँवा, सोना, मैग्नेसाइट, सीमेंट, चूना, खनिज तेल आदि। लेकिन वर्तमान में इन खनिजों का भण्डार सुरक्षित है।

जल संसाधन:

जल संसाधनों की दृष्टि से जनपद को मुख्यतः दो भागों में बाँटा जा सकता है।

1) तराई मैदानी एवं पर्वतीय घाटी वाला क्षेत्र: इस क्षेत्र में पर्याप्त मात्रा में जल संसाधन उपलब्ध हैं। काली, सरयू, रामगंगा आदि बड़ी नदियाँ तथा पनार, लधिया, रतिया, क्वैराला, लोहावती आदि छोटी नदियाँ प्रवाहित होती हैं।

2) ऊँचाई वाले पर्वतीय भू–भाग: इस भाग में छोटे छोटे, नदी नाले जिनमें ग्रीष्म ऋतु में काफी कम मात्रा में जल रह जाता है अथवा सूख जाते हैं तथा छोटे–छोटे जल स्रोत एवं तालाब पाये जाते है। इस भाग में पेयजल के लिए इन्हीं तालाबों तथा स्रोतो पर निर्भर रहना पड़ता है। पर्वतीय क्षेत्र में होने वाला कृषि उत्पादन पूर्णतया वर्षा के जल पर निर्भर करता है। पर्वतीय क्षेत्र में स्थित घाटी वाला 3.1 प्रतिशत भू–भाग मात्र सिंचित क्षेत्र है।

कृषि उत्पादन:

जनपद के तराई भूभाग को छोड़कर शेष पर्वतीय क्षेत्र में सीमित मात्रा में पैदावार होती है। यहाँ की मुख्य फसलें आलू, मूँगफली, मिर्च, नाशपाती, आड़ू, सब्जी, सेव, सन्तरे, सोयाबीन, अदरक, लहसुन, आदि हैं।

जनपद का तराई वाला भू–भाग काफी उपजाऊ है, वहीं पर्वतीय भाग बहुत कम उपजाऊ है। पर्वतीय क्षेत्र में मात्र 35 प्रतिशत भू–भाग कृषि योग्य एवं मानव बसावत वाला भाग है। तराई भाग में गेहूँ, चावल, दलहन, तिलहन आदि खाद्यान्न तथा पर्वतीय भाग में अल्प मात्रा में गेहूँ, चावल व मोटे अनाज उगाये जाते हैं।

फलों तथा चाय उत्पादन की दृष्टि से पर्वतीय भाग बहुत उपयुक्त हैं। यहाँ के प्रमुख फल माल्टा, सन्तरा, नीबू, नाशपाती, सेब, आड़ू, खुमानी आदि हैं।

आन्तरिक (इन्फ्रास्ट्रक्चर) सुविधाएँ:

जनपद चम्पावत का तराई क्षेत्र रेल मार्ग (टनकपुर) से जुड़ा है। पर्वतीय क्षेत्र को मैदानी भूगाग से जोड़ने वाले दो मुख्य सड़क मार्ग हैं। पर्वतीय भाग में कुछ सीमित क्षेत्र को छोड़कर सड़क यातायात की सुविधा न्यून है। जनपद सृजन के पश्चात सड़क दूरसंचार एवं विद्युत सुविधाएं धीरे धीरे विकसित हो रही है।

विकासात्मक योजनायें:

वर्तमान में जनपद चम्पावत के अन्तर्गत निम्नांकित विकास योजनाएँ संचालित की जा रही हैं

1. सुनिश्चित रोजगार योजना
2. समेकित ग्राम्य विकास कार्यक्रम
3. प्रधानमंत्री सड़क योजना
4. प्रधानमंत्री ग्रामीण रोजगार योजना
5. मण्डी परिषद द्वारा सड़कों का निर्माण
6. महिला समृद्धि योजना
7. नेडा – उरेडा (वैकल्पिक ऊर्जा विकास कार्यक्रम)
8. वायोगैस विकास कार्यक्रम
9. बार्डर एरिया डेवलेपमेन्ट कार्यक्रम
10. निराश्रित विधवा, भरण पोषण अनुदान योजना
11. जिला प्रोंथमिक शिक्षा कार्यक्रम
12. अनु0जाति/निर्वल वर्ग पुनर्वास योजना
13. अम्बेडकर ग्राम विकास योजना
14. राष्ट्रीय बचत कार्यक्रम

उपरोक्त कार्यक्रमों के अतिरिक्त जनपद में औपचारिक व अनौपचारिक माध्यमों से शिक्षा देने का कार्य किया जा रहा है। साक्षरता कार्यक्रम के तहत उत्तर साक्षरता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जिला साक्षरता समिति चम्पावत विधिवत अपना कार्यक्रम संचालित कर रही है।

प्राशासनिक इकाईयां:

तहसील	02	न्याय पंचायत	24
जिला पंचायत	01	ग्राम पंचायत	283
नगर पालिका	01	राजस्व ग्राम	688
नगर पंचायत	02	बस्तियॉ	1246

जानसंख्या:

वर्ष 2001 की जनगणनानुसार जनपद चम्पावत की कुल जनसंख्या 224461 है। जिसमें से 110916 पुरूष तथा 113545 महिलाएँ हैं। लिंग अनुपात की दृष्टि से 1000 पुरूषों पर 1023 महिलाएँ हैं। ग्रामीण जनसंख्या 191727 हैं जिनमें 93238 पुरूष तथा 98489 महिलाएँ हैं। ग्रामीण जनसंख्या का प्रतिशत 95 प्रतिशत है जिनमें पुरूषों का प्रतिशत 48.6 तथा महिलाओं का 51.4 प्रतिशत है। कुल पुरूषों

का 84 प्रतिशत पुरूष तथा कुल महिलाओं का 86.7 प्रतिशत महिलाएँ ग्रामीण क्षेत्र में निवास करती हैं. कुल शहरी जनसंख्या 32734 है। शहरी जनसंख्या का प्रतिशत 15 प्रतिशत है। जिसमें 54 प्रतिशत पुरूष तथा 46 प्रतिशत महिलाएँ हैं। जनपद का जनसख्या घनत्व 126 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी है। वर्ष 2001 की जनगणनानुसार जनपद चम्पावत की जनसंख्या का विवरण निम्नांकित तालिका में दर्शाया गया है:-

क्र0 सं0	विकास क्षेत्र	ग्रामीण जनसंख्या			शहरी जनसंख्या			कुल जनसंख्या		
		पुरूष	महिला	योग	पुरूष	महिला	योग	पुरूष	महिला	योग
1	पाटी	24371	25611	49982	–	–	–	24371	25611	49982
2	वाराकोट	13567	14259	27826	–	–	–	13567	14259	27826
3	लोहाघाट	20657	21709	42366	3242	2586	5828	23899	24295	48194
4	चम्पावत	34643	36910	71553	14436	12470	26906	49079	49380	98459
महायोग		93238	98489	191727	17678	15056	32734	110916	113545	224461

स्रोत: अर्थ एवं संख्याधिकारी, चम्पावत

जनपद की अनुसूचित जाति की जनसंख्या निम्न तालिका में दर्शाई जा रही है:

क्र0 सं0	विकास क्षेत्र	अनुसूचित जाति		
		पुरूष	महिला	योग
1	पाटी	3558	3534	7092
2	बाराकोट	3598	2908	6506
3	लोहाघाट	4564	4079	8643
4	चम्पावत	6527	6616	13143
कुल योग		18247	17137	35384

बालगणना वर्ष 2002 जनपद चम्पावत

विकास खण्ड	0–3 वर्ष के कुल बच्चे			3–6 वर्ष के कुल बच्चे			6–11 वय वर्ग के कुल बच्चे			11–14 वय वर्ग के कुल बच्चे		
	B	G	T	B	G	T	B	G	T	B	G	T
पाटी	2338	2243	4581	2195	2163	4358	4212	4044	8256	2133	2006	4139
बाराकोट	1399	1207	2606	1198	1173	2371	2049	2057	4106	1147	970	2117
लोहाघाट	2203	2144	4347	2063	2035	4098	3781	3634	7415	1994	1685	3679
चम्पावत	4478	4190	8668	4177	3955	8132	7546	7044	14590	4268	3827	8095
योग	10418	9784	20202	9633	9326	18959	17588	16779	34367	9542	8488	18030

स्रोत बी.आर.सी.

भाग–2 जनपद का शैक्षिक परिदृश्य

भूमिकाः

जनपद चम्पावत जो कि उत्तरांचल प्रदेश के पर्वतीय क्षेत्र के जनपदों में से एक है। पर्वतीय क्षेत्र की विषम धरातलीय बनावट, आर्थिक, सामाजिक दशाओं का यहां की शिक्षा व्यवस्था पहुँच, नामांकन, ठहराव एवं शैक्षिक गुणवत्ता पर प्रभाव स्पष्ट परिलक्षित होता है। जनपद का वर्तमान शैक्षिक स्वरूप निम्नवत् दर्शाया जा रहा हैः–

साक्षरताः

वर्ष 2001 की जनगणनानुसार जनपद चम्पावत की साक्षरता दर निम्नांकित सारणी में प्रदर्शायी जा रही हैः–

वर्ष	पुरूष साक्षरता दर	महिला साक्षरता दर	योग	साक्षरता वृद्धि
1991	77.63%	32.62%	55.81%	-
2001	88.13%	54.75%	71.11%	15.3%

स्रोत– राज्य परियोजना कार्यालय देहरादून

उक्त सारणी से स्पष्ट है कि जनपद में पुरूष एवं महिला साक्षरता दर का अन्तराल 33.388 प्रतिशत है। महिला साक्षरता दर अति असन्तोषजनक है तथा शहरी क्षेत्र की अपेक्षा ग्रामीण क्षेत्र की साक्षरता दर न्यून व पुरूष महिला अन्तराल अधिक है।

वर्ष 2001 की जनगणनानुसार जनपद चम्पावत की साक्षरता दर का प्रदेश तथा देश से तुलनात्मक विवरण निम्नवत् दर्शाया जा रहा हैः

विवरण	जनपद चम्पावत	उत्तरांचल प्रदेश	भारत वर्ष
पुरूष	88.13%	84.01%	75.85
महिला	54.75%	60.26%	54.16
योग	71.11%	72.28%	64.38

जनपद में उपलब्ध शिक्षण संस्थाओं की प्रबन्धतंत्रवार स्थिति
जनपद चम्पावत

विकास खण्ड	प्राथमिक विद्यालय				ई.सी.सी.ई. विद ई.जी.एस.	ई.जी.एस.	ए.एस.	उच्च प्राथमिक विद्यालय				
	परि0	मा0 प्राप्त	अमा0	योग				परि0	सहा0 प्राप्त	मा0 प्राप्त	अमा0 प्राप्त	योग
पाटी	124	08	08	140	01	21	06	23	01	01	03	28
बाराकोट	70	03	02	75	00	04	00	17	—	—	01	18
लोहाघाट	100	20	05	125	00	17	01	18	—	04	02	24
चम्पावत	151	27	14	192	02	13	08	34	04	07	02	47
योग	445	58	29	532	03	55	15	92	05	12	08	117

हाई स्कूल						इण्टरमीडिएट				डिग्री		आई.टी.आई.	पैलि टेक्नीक
राज0	सहा0 प्राप्त	मा0 प्राप्त	सी.बी.एस.ई.	सं0 वि0	योग	राज0	सहा0 प्राप्त	नवोदय/केन्द्रीय	योग	राज0	सं0 वि0		
04	01	02	—	—	07	06	—	—	06	—	01	01	—
03	—	01	—	—	04	03	—	—	03	—	—	—	—
04	—	—	01	—	05	04	01	—	05	01	—	—	01
07	—	04	—	01	12	07	02	01	10	01	—	02	—
18	01	07	01	01	28	20	03	01	24	02	01	03	01

स्रोत डी.पी.ओ. चम्पावत

ऐसे हाई स्कूल एवं इण्टरमीडिएट विद्यालय जिनमें कक्षा 6, 7 एवं 8 संचालित हैं की सूची निम्न तालिका में दर्शायी जा रही है–

क्र. सं.	विकास खण्ड	हाईस्कूल				इण्टर मीडिएट			
		राजकीय	रा0 प्रा0	मा0प्रा0	योग	राजकीय	सहा0 प्राप्त	मा0प्रा0	योग
1	पाटी	3	1	1	5	5			5
2	बाराकोट					4			4
3	लोहाघाट	2			2	4	1		5
4	चम्पावत	3		4	7	6	2		6
	योग	8	1	5	14	19	3		22

उपर्युक्त शिक्षण संस्थाओं में से बालिकाओं के लिए पृथक विद्यालयों की विकासखण्डवार स्थिति निम्नवत है:–

विकास खण्ड	प्राथमिक	उच्च प्राथमिक	हाईस्कूल	इण्टर–मीडिएट	डिग्री
पाटी	–	03	01	–	–
बाराकोट	–	05	01	–	–
लोहाघाट	–	05	–	01	–
चम्पावत	–	07	–	02	–
योग	–	20	02	03	–

स्रोत डी.पी.ओ. चम्पावत

पहुँच का विस्तारः (जी.ए.आर.)

जनपद की समस्त 1246 बस्तियों में प्राथमिक स्तरीय शैक्षिक सुविधा प्रदान करने हेतु जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत 28 नवीन प्राथमिक विद्यालयों की स्थापना तथा 15 वैकल्पिक शिक्षा केन्द्र व 55 ई0जी0एस0 केन्द्रों को संचालित किया गया है, जिससे अद्यतन जनपद की कुल 1246 बस्तियों में से 1195 बस्तियां सेवित हुई हैं तथा जनपद का जी0ए0आर0 (सकल पहुँच दर) जो परियोजना पूर्व 76.8 था से बढ़कर 95.9 प्रतिशत हुआ है, शेष 4.1 प्रतिशत अन्तराल है। वर्ष 2004–05 में 10 बस्तियों हेतु ई0जी0एस0 केन्द्रों की स्थापना का लक्ष्य रक्षा गया है इससे जनपद का जी0ए0आर0 (सकल पहुँच दर) 96.7 प्रतिशत हो जायेगा। पहुँच के विस्तार की स्थिति निम्न तालिका में दर्शायी जा रही है:

परियोजना पूर्व जी.ए.आर.		परियोजना पश्चात वर्ष 2002 तक		कुल बस्तियाँ	सेवित बस्तियाँ	असेवित बस्तियाँ	जी.ए.आर. में वृद्धि
जी.ए.आर..	अन्तराल	जी.ए.आर..	अन्तराल				
76.8	23.2	95.9	4.1	1246	1195	51	19.1

छात्र नामांकनः

जनपद में डी0पी0ई0पी0 परियोजना के अन्तर्गत चलाये जा रहे कार्यक्रमों का 6–11 वय वर्ग के बच्चों के नामांकन पर अनुकूल प्रभाव दिखाई देता है। 6–11 वय वर्ग के बच्चों की शुद्ध नामांकन दर (एन0ई0आर0) 99.5 प्रतिशत है। इस आयु वर्ग के बच्चों में भी बालक तथा बालिकाओं के एन0ई0आर0 में 7.2 प्रतिशत का अन्तराल है। प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्तर पर नामांकन एवं विभिन्न आयु वर्ग के बच्चों के नामांकन की स्थिति निम्नांकित तालिका में दर्शायी जा रही है:–

प्रप्राथमिक स्तर पर नामांकनः–

जनपद में 6–11 वय वर्ग के बच्चों की संख्या, पढ़ने एवं न पढ़ने वाले बच्चों का जातिवार विविवरण निम्नांकित तालिका में दर्शाया जा रहा है:–

6–11 आयु वर्ग के बच्चों की संख्या

विकास खण्ड	कुल			अनुसूचित जाति			अनुसूचित जन जाति			अन्य पिछड़ा वर्ग		
	B	G	T	B	G	T	B	G	T	B	G	T
पाटी	4212	4044	8256	768	721	1489	-	-	-	91	93	184
बाराकोट	2049	2057	4106	458	447	905	-	-	-	45	62	107
लोहाघाट	3781	3634	7415	844	852	1696	3	4	7	138	121	259
चम्पावत	7546	7044	14590	1452	1361	2813	34	33	67	626	547	1173
योग	17588	16779	34367	3522	3381	6903	37	37	74	900	823	1723

6–11 आयु वर्ग के बच्चों का नामांकन

विकास खण्ड	कुल			अनुसूचित जाति			अनुसूचित जन जाति			अन्य पिछड़ा वर्ग		
	B	G	T	B	G	T	B	G	T	B	G	T
पाटी	4207	4034	8241	767	718	1485	-	-	-	91	92	183
बाराकोट	2049	2054	4103	458	445	903	-	-	-	45	61	106
लोहाघाट	3765	3594	7359	837	843	1680	3	4	7	138	121	259
चम्पावत	7518	7007	14525	1444	1346	2790	32	31	63	625	539	1164
योग	17539	16689	34228	3506	3352	6858	35	35	70	899	813	1712

6–11 आयु वर्ग के स्कूल न जाने वाले बच्चों का विवरण

विकास खण्ड	कुल			अनुसूचित जाति			अनुसूचित जन जाति			अन्य पिछड़ा वर्ग		
	B	G	T	B	G	T	B	G	T	B	G	T
पाटी	5	10	15	1	3	4	-	-	-	-	1	1
बाराकोट	0	3	3	0	2	2	-	-	-	-	1	1
लोहाघाट	16	40	56	7	9	16	-	-	-	-	-	-
चम्पावत	28	37	65	08	15	23	02	02	04	01	08	09
योग	49	90	139	16	29	45	2	2	4	1	8	9

6–11 आयु वर्ग के बच्चों का शुद्ध नामांकन (एन. ई. आर.)

क्रम सं.	विकासखण्ड	एन ई आर											
		कुल			अनुसूचित जाति			अनुसूचित जन जाति			अन्य पिछड़ा वर्ग		
		B	G	T	B	G	T	B	G	T	B	G	T
1	पाटी	99.9	99.8	99.8	99.9	99.8	99.8	-	-	-	100.0	99.9	99.9
2	बाराकोट	100.0	99.7	99.9	100.0	100.0	100.0	-	-	-	100.0	98.4	99.1
3	लोहाघाट	99.6	98.9	99.2	99.2	98.9	99.0	100.0	100.0	100.0	100.0	100.0	100.0
4	चम्पावत	99.6	99.4	99.5	99.4	98.8	99.1	88.2	93.9	91.0	99.8	98.5	99.2
	योग	99.7	99.4	99.5	99.5	99.1	99.3	94.6	94.6	94.6	99.8	98.8	99.3

सकल नामांकन दर (जी. ई. आर.)

कम सं.	विकासखण्ड	जीईआर			अनुसूचित जाति			अनुसूचित जनजाति		
		कुल								
		B	G	T	B	G	T	B	G	T
1	पाटी	102.0	104.1	103.0	105.9	103.7	104.9	-	-	-
2	बाराकोट	101.9	107.9	104.9	125.7	125.7	125.7	-	-	-
3	लोहाघाट	108.9	110.2	109.5	120.5	113.8	117.2	133.0	125.8	128.5
4	चम्पावत	105.2	112.9	108.9	110.5	119.5	114.9	111.8	112.1	111.9
	योग	104.8	109.6	107.2	113.9	115.5	114.7	113.5	113.5	113.5

रिपीटर्स दर:

कक्षा	कुल नामांकन		रिपीटर्स		कुल नामांकन का प्रतिशत		
					कुल रिपीटर्स प्रतिशत		कुल
	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	
1	3812	4077	587	745	15.40	18.27	16.84
2	3187	3481	392	555	12.30	15.94	14.12
3	3078	3270	278	393	3.03	12.02	10.53
4	2846	2793	200	235	7.03	8.41	7.72
5	2550	2399	56	54	2.20	2.25	2.23
कुल	15473	16020	1513	1982	9.78	12.37	11.08

DISE Report 2002-03

11–14 आयु वर्ग के बच्चों की नामांकन की स्थिति

विकास खण्ड	11–14 आयु वर्ग के कुल बच्चों की संख्या											
	कुल			अनुसूचित जाति			अनुसूचित जन जाति			अन्य पिछड़ा वर्ग		
	B	G	T	B	G	T	B	G	T	B	G	T
पाटी	2133	2006	4139	323	235	558	-	-	-	46	49	95
बाराकोट	1147	970	2117	246	205	451	-	-	-	25	28	53
लोहाघाट	1994	1685	3679	330	233	563	3	2	5	64	53	117
चम्पावत	4268	3827	8095	965	740	1705	15	14	29	334	301	635
योग	9542	8488	18030	1864	1413	3277	18	16	34	469	431	900

विकास खण्ड	11–14 आयु वर्ग के बच्चों का नामांकन											
	कुल			अनुसूचित जाति			अनुसूचित जन जाति			अन्य पिछड़ा वर्ग		
	B	G	T	B	G	T	B	G	T	B	G	T
पाटी	2113	1912	4025	319	212	531	-	-	-	45	43	88
बाराकोट	1130	844	1974	243	169	412	-	-	-	25	28	53
लोहाघाट	1952	1499	3451	312	183	495	3	2	5	64	44	108
चम्पावत	4203	3492	7695	945	665	1610	11	12	23	323	278	601
योग	9398	7747	17145	1819	1229	3048	14	14	28	457	393	850

विकास खण्ड	11–14 आयु वर्ग के स्कूल न जाने वाले बच्चों की संख्या											
	कुल			अनुसूचित जाति			अनुसूचित जन जाति			अन्य पिछड़ा वर्ग		
	B	G	T	B	G	T	B	G	T	B	G	T
पाटी	20	94	114	4	23	27	-	-	-	1	6	7
बाराकोट	17	126	143	3	36	39	-	-	-	-	-	-
लोहाघाट	42	186	228	18	50	68	-	-	-	-	9	9
चम्पावत	65	335	400	20	75	95	04	02	06	11	23	34
योग	144	741	885	45	184	229	04	02	06	12	38	50

विकास खण्ड	11–14 आयु वर्ग बच्चों का नामांकन											
	कुल			अनुसूचित जाति			अनुसूचित जन जाति			अन्य पिछड़ा वर्ग		
	B	G	T	B	G	T	B	G	T	B	G	T
पाटी	99.0	95.4	97.2	98.7	89.3	94.8	-	-	-	97.8	87.7	92.6
बाराकोट	98.5	87.0	93.2	98.7	82.7	91.3	-	-	-	100.0	100.0	100.0
लोहाघाट	97.8	88.9	93.8	94.5	79.3	88.2	100.0	100.0	100.0	100.0	83.0	92.3
चम्पावत	98.4	91.2	95.0	97.9	89.9	94.4	73.3	85.7	79.3	96.7	92.4	94.7
योग	98.5	91.3	95.1	97.6	87.0	93.0	77.8	87.5	82.4	97.4	91.2	94.4

प्राथमिक स्तर (कक्षा 1 से 5) पर प्रबन्धतंत्रवार छात्र नामांकन की स्थिति

सितम्बर 2002

विकास खण्ड	परि0 प्रा0 वि0			राज0			मान्यता प्राप्त			अमान्य			ई.जी.एस.			ए.एस.			महायोग		
	B	G	T	B	G	T	B	G	T	B	G	T	B	G	T	B	G	T	B	G	T
पाटी	3149	3512	6661	-	-	-	600	364	964	370	71	441	120	178	298	58	83	141	4297	4208	8505
बाराकोट	1678	2015	3693	-	-	-	235	124	357	129	41	170	35	40	85	0	0	0	2087	2220	4307
लोहाघाट	2658	3234	5892	-	-	-	1096	558	1684	300	85	385	55	85	140	07	13	20	4116	4005	8121
चम्पावत	5196	5795	10991	-	67	67	2117	1521	3638	338	199	537	143	201	344	145	169	314	7939	7952	15891
योग	12681	14556	27237	00	67	67	4048	2567	6643	1137	396	1533	353	504	867	210	265	475	18439	18385	36824

परिषदीय प्रा0वि0 में कार्यरत शिक्षकों की स्थितिः

जनपद में 445 परिषदीय विद्यालय संचालित हैं इन विद्यालयों हेतु 247 प्रधानाध्यापक व 701 सहायक अध्यापक कुल 948 पद स्वीकृत हैं। स्वीकृत पदों के सापेक्ष 233 प्रधानाध्यापक तथा 336 स0अ0 कुल 569 अध्यापक तथा 196 शिक्षा मित्र कार्यरत हैं। इस प्रकार 445 विद्यालयों में शिक्षा मित्रों सहित 765 अध्यापक कार्यरत है। स्वीकृत पदों को दृष्टिगत रखते हुए जनपद में 183 पद रिक्त हैं। विकास क्षेत्रवार कार्यरत अध्यापकों की स्थिति निम्न तालिका में दर्शायी गई है:

क्र0 सं0	विकास क्षेत्र	विद्यालय	स्वीकृत पद			कार्यरत शिक्षक			योग
			प्र0अ0	स0अ0	योग	प्र0अ0	स0अ0	शिक्षा मित्र	
1	पाटी	124	-	-	-	76	55	60	191
2	बाराकोट	70	-	-	-	38	50	29	117
3	लोहाघाट	100	-	-	-	48	81	44	173
4	चम्पावत	151	-	-	-	71	150	63	284
योग		**445**	**247**	**701**	**948**	**233**	**336**	**196**	**765**

विकास क्षेत्रवार छात्र अध्यापक अनुपात (पी0टी0आर0)

जनपद के परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों में छात्र अध्यापक अनुपात 36:1 है। पी0टी0आर0 40 प्रतिशत से कम होने का कारण जनपद में प्राथमिक विद्यालय ऐसी बस्तियों में स्थित हैं जिनमें जनसंख्या 3300 से 400 के मध्य है, इन विद्यालयों की छात्र संख्या 80 से कम है। परन्तु न्यूनतम 2 अध्यापक प्रति विद्यालय के मानकानुसार पी0टी0आर0 40:1 से कम है। विकास क्षेत्रवार पी0टी0आर0 निम्न तालिका में ददर्शाया गया है:

क्र0 सं0	विकास क्षेत्र	विद्यालय	परिषदीय विद्यालयों में नामांकित बच्चे			कार्यरत शिक्षक			पी.टी.आर. शिक्षा मित्र सहित	पी.टी.आर. शिक्षा मित्र को छोड़कर
			बा0	बालि0	योग	नियमित	शिक्षा मित्र	योग		
1	पाटी	124	3149	3512	6661	131	60	191	35:1	51:1
2	बाराकोट	70	1678	2015	3693	88	29	117	32:1	42:1
3	लोहाघाट	100	2658	3234	5892	129	44	173	34:1	46:1
4	चम्पावत	151	5196	5795	10991	221	63	284	39:1	50:1
योग		**445**	**12681**	**14556**	**27237**	**569**	**196**	**765**	**36:1**	**48:1**

परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों में उपलब्ध भौतिक संसाधनों की स्थिति

जनवरी 2004 की स्थिति

विकास खण्ड	प्रा0वि0 की संख्या	छात्र संख्या	कुल अध्यापक (शि0मि0 सहित)	गवन वाले विद्यालय	कक्षा कक्षों की संख्या	विद्यालय की स्थिति			शौचालय युक्त	पेयजल युक्त	चहार-दीवारी युक्त	विद्युत संयोजन
						ध्वस्त	बृहद मरम्मत	लघु मरम्मत				
पाटी	124	6661	190	114	250	04	09	12	10	11	02	-
बराकट	70	3693	117	66	163	-	06	12	16	10	07	-
लोहाघाट	100	5892	173	93	221	02	04	37	20	17	04	01
चम्पावत	151	10991	284	140	362	03	23	28	34	51	12	02
योग	**445**	**27237**	**764**	**413**	**996**	**09**	**42**	**89**	**80**	**89**	**25**	**03**

भाग 03 परियोजना के प्रमुख लक्ष्य एवं उद्देश्य

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 एवं प्रोग्राम ऑफ एक्शन 1992 जिसमें प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमीकरण एवं शिक्षा के गुणात्मक उन्नयन के संकल्प को दोहराया गया, को आधार मानते हुए निम्नांकित तीन पहलुओं पर विशेष बल देना:

1. सार्वभौम पहुँच एवं नामांकन:
2. समस्त वर्ग के बालक/बालिकाओं का पूर्णकालिक विद्यालयी ठहराव:
3. शैक्षिक स्तरोन्नयन एवं अपेक्षित शैक्षिक सम्प्राप्ति:

उपर्युक्त उद्देश्यों के परिप्रेक्ष्य में जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के निम्नांकित लक्ष्य निर्धारित किए गये हैं।

1. 6–11 वय वर्ग के प्रत्येक बच्चे तक शिक्षा की पहुँच के विस्तार हेतु विद्यालयी सुविधा/समकक्ष विकल्प की व्यवस्था करना।
2. नामांकन, धारण एवं शैक्षिक सम्प्राप्ति में विभिन्न सामाजिक वर्गो एवं लिंग भेद के कारण होने वाले अन्तर को 5 प्रतिशत से कम तक सीमित रखना।
3. ड्रापआउट की दर को 10 प्रतिशत से कम तक सीमित रखना।
4. भाषायी एवं गणितीय क्षमताओं में न्यूनतम अधिगम की सम्प्राप्ति एवं अन्य विषयों में 40 प्रतिशत की सम्प्राप्ति।
5. शैक्षिक सम्प्राप्ति के स्तर में प्रथम आधारभूत सर्वे द्वारा मॉपे गये स्तर से कम से कम 25 प्रतिशत तक वृद्वि करना।

उक्त लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु जनपद में निम्नलिखित प्रमुख कार्यक्रम प्रस्तावित किए गये हैं:

1. प्राथमिक शिक्षा के पहुँच के विस्तार हेतु असेवित बस्तियों में विद्या केन्द्रों एवं शिक्षा घरों की स्थापना।
2. नवीन प्राथमिक विद्यालयों की स्थापना करना।
3. बालिकाओं एवं अपवंचित वर्ग के बच्चों की शिक्षा हेतु जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर शैक्षिक वातावरण सृजन करना।
4. सामुदायिक सहभागिता हेतु कार्यक्रमों में ग्रामीण समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करना।
5. विद्यालयी सुविधाओं का विस्तार कर उन्हें प्रभावी बनाना।
6. न्याय पंचायत, ब्लाक एवं जनपद स्तर पर अकादमिक संस्थाओं की स्थापना एवं उनका सुद्धढ़ीकरण करना।
7. विभिन्न स्तरों पर कार्यरत शैक्षिक अभिकर्मियों के दक्षता विकास हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करना।
8. कार्यक्रयों के सफल क्रियान्वयन हेतु निरन्तर अनुश्रवण एवं मूल्यांकन सुनिश्चित करना।
9. सशक्त शैक्षिक सूचना एवं प्रबन्धन प्रणाली का विकास करना।
10. नियोजन प्रक्रिया को स्थानीय आवश्यकताओं, अपेक्षाओं, विशिष्टताओं पर केन्द्रित करना।

अध्याय – 02
परियोजना की अद्यतन प्रगति (भौतिक एवं वित्तीय)

जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु, जनपद में परियोजनान्तर्गत संचालित प्रमुख कार्यक्रमों की वर्तमान स्थिति एवं निर्धारित लक्ष्यों के परिप्रेक्ष्य में विगत वर्ष तक की प्रगति घटकवार (Componentwise) चयनित क्रियाकलापों के अनुसार आगे दर्शायी जा रही है। प्रत्येक हस्तक्षेप की प्रगति का उल्लेख करने के लिए प्रमुख संकेतक लिखे गये हैं, जिनके सम्मुख वर्तमान प्रगति अंकित की गई है। वर्श 2003–04 तक जनपद की प्रगति स्थिति महत्वपूर्ण संकेतकों के अनुसार निम्नवत् है।

संकेतक	वर्तमान स्थिति		
• पहुँच दर (जी.ए.आर.)	95.9		
• नामांकन			
1. जी.ई.आर.	B	G	T
	104.8	109.6	107.2
2. एन.ई.आर.			
	99.7	99.4	99.5
• धारण			
1- आर.आर.			
	9.78	12.37	11.08
2. शालात्याग (Dropout)			
• अधिगम सम्प्राप्ति			
• सामाजिक समूहों के बीच असमानता			
• पी.टी.आर.	शिक्षा मित्र छोड़कर		शिक्षा मित्र रहित
	48:1		36:1

प्रगति परिदृश्य में दो मुख्य बिन्दुओं का उल्लेख किया जा रहा है– प्रथम बिन्दु में: वर्तमान स्थिति जिसमें क्रियान्वयन हेतु अपनाये गये क्रियाकलापों की वर्तमान स्थिति का उल्लेख है तथा द्वितीय बिन्दु में विगत वर्ष तक क्रियाकलापवार की गई प्रगति का उल्लेख है। इस हेतु सारणी 'क' संलग्न की गई है, साथ ही घटकवार प्रगति विवरण पृथक से भी दिया गया है।

निर्माण कार्यः

जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत स्वीकृत निर्माण कार्यों की अद्यतन प्रगति निम्न तालिका में दर्शायी जा रही हैः–

क्र0 सं0	कार्यक्रम	पूर्ण परियोजना का लक्ष्य	गत वर्ष तक संचित			अभ्युक्ति
			लक्ष्य	निर्माणाधीन	पूर्ण	
1	विकास खण्ड संसाधन केन्द्र	04	04	—	04	संचालित
2	न्याय पंचायत संसाधन केन्द्र	23	23	—	23	संचालित
3	नवीन प्रा0वि0	28	28	—	28	संचालित
4	ध्वस्त भवनों का पुनर्निर्माण	20	20	—	20	संचालित
5	अतिरिक्त कक्षा कक्ष	102	102	02	100	02 में 75 प्रतिशत कार्य पूर्ण
6	शौचालय	38	38	—	38	उपयोग में हैं
7	पेयजल	200	135	77	58	उपयोग में हैं
8	मरम्मत	158	158	—	158	उपयोग में हैं

सम्पूर्ण निर्माण कार्य पर व्ययः–

वर्ष	प्रस्तावित कार्य	लक्ष्य	नियोजित लागत	व्यय	स्पिल ओवर	संचित व्यय
2000–01	नवीन प्रा0वि0 निर्माण	28	2139.20	2139.20	-	-
	पुनर्निर्माण	-	-	-	-	-
	एन.पी.आर.सी. कक्ष	10	700.00	700.00	-	-
	शौचालय	-	-	-	-	-

2001–02	पुनर्निर्माण	20	1528.00	1528.00	-	-
	अतिरिक्त कक्षा कक्ष निर्माण	50	1400.00	1400.00	-	-
	एन.पी.आर.सी. कक्ष	13	910.00	910.00	-	-
	शौचालय	38	380.00	380.00	-	-
	बी.आर.सी.	04	3200.00	3200.00	-	-
	पेयजल		-	-	-	-
	लघुमरम्मत		-	-	-	-
2002–03	अतिरिक्त कक्षा कक्ष निर्माण	52	1456.00	1456.00	-	-
	लघुमरम्मत	158	3160.00	3160.00	-	-
	पेयजल	135	4400.00	1708.834	-	-
2003–04	पेयजल	65		1430.00	-	-

A पहुँच का विस्तार प्रगति परिदृश्यः–

सकल पहुँच दर

कुल बस्तियां	सेवित बस्तियां			शेष असेवित बस्तियां	जी0ए0आर0			लक्ष्य अन्तराल
	परि0 पूर्व	परि0 पश्चात	योग		परि0 पूर्व	परि0 पश्चात	वृद्धि	
1246	1045	150	1195	51	76.8	95.9	19.1	4.1

नवीन प्रा0 वि0 की स्थापना	शिक्षा घर	विद्या केन्द्र	सेवित बस्तियां			कुल सेवित बस्तियां
			नवीन प्रा0 वि0	शिक्षा घर	विद्या केन्द्र	
28	15	55	60	22	68	150

शिक्षामित्र/आचार्य/अनुदेशक व्यवस्था अद्यतन प्रगति

क्र0 सं0	विवरण	कुल स्वीकृत	कार्यरत	प्रशिक्षण विवरण		अभ्युक्ति
				सेवापूर्व	सेवारत	
1	शिक्षामित्र	123	118	121	118	
2.	नवीन प्रा0वि0 हेतु पदोन्नत प्र0अ0	28	16	—	16	
3	अनुदेशक	15	15	15	15	केन्द्र संचालित
	आचार्य	55	55	55	29	केन्द्र संचालित

स्वास्थ्य परीक्षण कार्यक्रमः

उत्तरांचल बाल कल्याण परिषद के दिशानिर्देशों के अनुसार स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से प्राथमिक विद्यालयों में नामांकित बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण माह नवम्बर 2003 में कराया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी चम्पावत की उक्त स्वास्थ्य परीक्षण सूचना के अनुसार कुल 19767 बच्चे विभिन्न प्रकार की विमारियों/कमियों से ग्रसित हैं। जिसका विवरण अग्र तालिका में दिया जा रहा है। इनमें से 603 वच्चे जो गम्भीर विमारियों से पीड़ित हैं। उच्च स्वास्थ्य केन्द्रों को सन्दर्भित किए गये हैं।

खून की कमी	विटामिन ए की कमी	ऑखों की बिमारी	त्वचा रोग	उदर रोग	दन्त रोग	कर्ण रोग	अन्य	PHC को सन्दर्भित	कुल
1389	134	255	331	189	1190	619	689	603	18767

जनपद का छात्र अध्यापक अनुपात (पी.टी.आर.)

क्रम0 सं0	विकास क्षेत्र	विद्यालय	परिषदीय विद्यालयों में नामांकित बच्चे			कार्यरत शिक्षक			पी.टी.आर. शिक्षा मित्र सहित	पी.टी.आर. शिक्षा मित्र को छोड़कर
			बा0	बालि0	योग	नियमित	शिक्षा मित्र	योग		
11	पाटी	124	3149	3512	6661	131	60	191	35:1	51:1
22	बाराकोट	70	1678	2015	3693	88	29	117	32:1	42:1
33	लोहाघाट	100	2658	3234	5892	129	44	173	34:1	46:1
44	चम्पावत	151	5196	5795	10991	221	63	284	39:1	50:1
योग		**445**	**12681**	**14556**	**27237**	**569**	**196**	**765**	**36:1**	**48:1**

छात्र नामांकन प्रगति परिदृश्य वर्ष 2003–04

Sl. No.	Block	Population of 6-11Age group children											
		Total			SC			ST			OBC		
		B	G	T	B	G	T	B	G	T	B	G	T
1	पाटी	4212	4044	8256	768	721	1489	-	-	-	91	93	184
2	बाराकोट	2049	2057	4106	458	447	905	-	-	-	45	62	107
3	लोहाघाट	3781	3634	7415	844	852	1696	3	4	7	138	121	259
4	चम्पावत	7546	7044	14590	1452	1361	2813	34	33	67	626	547	1173
	Total	17588	16779	34367	3522	3381	6903	37	37	74	900	823	1723

Enrollment of 6-11Age group children													
		Total			SC			ST			OBC		
क्र0	विकास खण्ड	B	G	T	B	G	T	B	G	T	B	G	T
1	पाटी	4207	4034	8241	767	718	1485	-	-	-	91	92	183
2	बाराकोट	2049	2054	4103	458	445	903	-	-	-	45	61	106
3	लोहाघाट	3765	3594	7359	837	843	1680	3	4	7	138	121	259
4	चम्पावत	7518	7007	14525	1444	1346	2790	32	31	63	625	539	1164
	योग	17539	16689	34228	3506	3352	6858	35	35	70	899	813	1712

Sl. No.	Block	Out of school children 6-11Age group											
		Total			SC			ST			OBC		
		B	G	T	B	G	T	B	G	T	B	G	T
1	पाटी	5	10	15	1	3	4	-	-	-	-	1	1
2	बाराकोट	0	3	3	0	2	2	-	-	-	-	1	1
3	लोहाघाट	16	40	56	7	9	16	-	-	-	-	-	-
4	चम्पावत	28	37	65	08	15	23	02	02	04	01	08	09
	Total	49	90	139	16	29	45	2	2	4	1	8	9

A-3 वैकल्पिक स्कूलः

परियोजना प्रारम्भ से वर्ष 2004 तक जनपद में 28 नवीन प्राथमिक विद्यालय, 15 शिक्षा घर तथा 55 विद्या केन्द्रों की स्थापना के उपरान्त भी कुल 51 बस्तियां अभी असेवित रह गई हैं। जनपद में 6 से 11 वय वर्ग के कुल 139 बच्चे अभी स्कूल से बाहर हैं। सूक्ष्म नियोजन के आधार पर ये बच्चे उन बिखरी बस्तियों के हैं जहां जनसंख्या मानकानुसार प्राथमिक विद्यालय स्थापित नहीं किये जा सकते हैं। जंगल, चट्टानी मार्ग, नदी–नाले एवं खड़ी चढ़ाई आदि प्राकृतिक अवरोध ऐसी बस्तियों के बच्चों के लिए पहुँच /नामांकन में बाधक हैं। 10 असेवित बस्तियों को सेवित करने का लक्ष्य वर्ष 2004–05 में रखा गया है। वर्तमान में 55 विद्याकेन्द्र तथा 15 शिक्षाघर जनपद में संचालित हैं। इन केन्द्रों से जनपद की कुल 90 असेवित बस्तियॉ सेवित हुई हैं तथा जनपद के सकल पहुँच दर (जी0 ए0 आर0) में काफी वृद्वि हुई है। इन केन्द्रों में कार्यरत सभी आचार्यो एवं अनुदेशकों का सेवापूर्व प्रशिक्षण पूर्ण हो चुका है तथा पुनर्बोधात्मक प्रशिक्षण भी पूर्ण हो चुका है। इनमें अध्ययनरत बच्चों को शिक्षा की मूलधारा से जोड़ने के लिए उन्हें नजदीकी प्राथमिक विद्यालयों में नामांकित कराया जा रहा है। विगत वर्ष में 137 छात्र–छात्राओं को इन केन्द्रों से शिक्षा की मूल धारा से जोड़ा गया है। वर्तमान में विद्याकेन्द्रों में 867 छात्र–छात्राऐं तथा

शिक्षाघरों में 475 छात्र–छात्राऐं अध्ययनरत हैं। इन केन्द्रों के स्थापित किये जाने के उपरान्त जहॉ जनपद का जी0ए0आर0 सकल पहुॅच दर में में वृद्वि हुई है वहीं छात्रों के सकल नामांकन दर जी0 ई0 आर0 में भी वृद्वि हुई है तथा स्कूल न जाने वाले वच्चों की संख्या में कमी आई है।

R) ठहराव प्रगति परिदृश्य

जनजागरण अभियान

जनपद में वर्ष 2003–04 में चलाये गये स्कूल चलो अभियान के बाद छात्र नामांकन में हुई वृद्धि का विवरण निम्न तालिका में दर्शाया जा रहा है:

नामांकन में वृद्धि			अनु0 जाति			अनु0 जन जाति		
वालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग
1605	1792	3397	459	680	1139	10	08	18

बालिका शिक्षा विकास प्रगति परिदृश्य

जनपद में बालिकाओं तथा अपवंचित वर्ग के बच्चों के शैक्षिक पिछड़ेपन को दूर करना परियोजना का प्रमुख लक्ष्य है अतः इन वर्गो के बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान केन्द्रित करते हुए जनपद में बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित किया जा रहा है। जनपद के पृथक पृथक क्षेत्रों में बालिका शिक्षा की अलग अलग स्थितियां हैं। विभिन्न क्षेत्रों की विभिन्न परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए समस्त जनपद में एक साथ तथा एक जैसी कार्यनीति एवं कार्यकमों का कियान्वयन लक्ष्य प्राप्ति की दृष्टि से सफल नहीं हो सकते। अतः शैक्षिक रूप से अधिक पिछडी न्याय पंचायतों में बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मॉडल कलस्टर डेवलपमेंट एप्रोच की रणनीति अपनाई गई है। डी0पी0ई0पी0 परियोजना के अर्न्तगत शैक्षिक रूप से पिछडी दस न्याय पंचायतों को आदर्श संकुल (मॉडल कलस्टर) के रूप में विकसिक करने हेतु चयनित किया गया है जिनके चयन के मानक निम्नवत हैं–

- न्यून महिला साक्षरता दर वाली न्याय पंचायत।
- अनुसूचित जाति/जनजाति बहुल न्याय पंचायत।
- कम बालिका नामांकन एवं ठहराव वाली न्याय पंचायत।
- कामकाजी एवं अनियमित बालिका उपस्थिति वाली न्याय पंचायत।
- शैक्षिक दृष्टि से पिछड़ी/दूररथ न्याय पंचायत।

आदर्श संकुलों हेतु चयनित न्याय पंचायतों तथा अन्य न्याय पंचायतों में बालिका शिक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत वर्ष 2000 से वर्ष 2004 तक निम्नांकित कार्यक्रम संचालित किये गये हैं–

बालिका शिक्षा के अन्तर्गत आयोजित कार्यक्रमों का वर्षवार विवरण

क0 सं0	आदर्श संकुल का नाम	मीना कम्पेन	नुक्कड नाटक	माँ बेटी मेला		बाल मेला		VEC T rg.	WMG Trg.	MTA Trg.	ममता समूह गठन / प्रशि0
		00-01	01-02	01-02	02-03	02-03	03-04	00-01	01-02	01-02	03-04
1	कमलेख	06	-	01	-	04	1	06	01	06	08
2	चौडाकोट	20	-	01	-	05	1	20	01	20	32
3	रैघांव	14	-	01	-	05	1	14	01	14	20
4	वसकुनी	05	-	01	-	05	1	05	01	05	15
5	डुमडाई	-	02	01	-	05	1	08	01	08	16
6	रौसाल	-	09	01	-	05	1	10	01	10	23
7	ख्वाला	-	14	01	01	05	1	15	01	15	31
8	सिप्टी	12		01	01	05	1	12	01	12	26
9	सिमियाउरी	-	07	01	&	04	1	06	01	06	13
10	दूबडजैनल	-	01	01	-	05	1	08	01	08	14
	योग	57	33	10	02	48	10	104	10	104	198
	अन्य 14 न्याय पंचायत					56	14	135	-		
	महायोग	**57**	**33**	**10**	**02**	**104**	**24**	**239**	**10**	**104**	**198**

जनपद में परियोजनान्तर्गत अद्यतन चलाये गये बालिका शिक्षा कार्यक्रमों के फलस्वरूप परियोजना लक्ष्यों की प्रगति का विवरण निम्नतालिकाओं में दर्शाया जा रहा है–

प्रारम्भिक शिशु देख–रेख एवं शिक्षा केन्द्र (ई.सी.सी.ई.) केन्द्रों की स्थापना।

जनपद में समेकित बाल विकास परियोजना (ICDS) वर्ष 2003–04 से कियान्वित हुई है। अतः छोटे भाई बहिनों की देख–रेख के कारण स्कूल न जाने वाली अथवा अनियमित उपस्थित रहने वाली बालिकाओं को दृष्टिगत रखते हुये जनपद में स्थापित विद्याकेन्द्रों (ई0जी0एस0) के साथ वर्ष 2002–03 से पांच ई0जी0एस0 विद् ई0सी0सी0ई0 केन्द्र पायलट केन्द्रों के रूप में संचालित किये गये थे। जिनमें से वर्तमान में 3 केन्द्र संचालित हैं। इन केन्द्रों में 03 से 06 आयुवर्ग के बच्चों के नामांकन की स्थिति निम्नवत् है:–

क0 सं0	ई0जी0एस0 विद ई0सी0सी0ई0 केन्द्र	नामांकन		
		बालक	बालिका	योग
1	बरितियागूँठ	08	12	20
2	खेत	07	10	17
3	खुतेली	11	08	19
	महायोग	26	30	56

Q) गुणवत्ता संवर्धन : प्रगति परिदृश्य

1. अध्यापक प्रशिक्षण, आचार्य/अनुदेशक प्रशिक्षण, प्रशिक्षणों का मुख्य बल (फोकस) व प्रशिक्षण का क्रम प्रपात

अध्यापक प्रशिक्षण:

जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रतिवर्ष सेवारत अध्यापकों का प्रशिक्षण आयोजित किया जाता रहा है। वर्ष 2001–02 में 'साधन मॉड्यूल' पर आधारित 08 दिवसीय प्रशिक्षण बी. आर.सी. स्तर पर आयोजित किया गया। इससे पूर्व जनपद स्तर पर डायट के वैकल्पिक प्रशिक्षण केन्द्र पर टी0ओ0टी0 प्रशिक्षण के द्वारा सन्दर्भ व्यक्तियों का समूह तैयार किया गया। इस समूह द्वारा सभी विकास खण्डों में पुनः कार्यरत अध्यापकों को शिक्षण की सफल विधाओं, रूचिकर शिक्षा एवं पाठ योजना आदि से परिचित करवाया गया। इसी प्रकार वर्ष 2002–03 में 'कठिन स्थलों पर आधारित स्वअधिगम व स्वनिर्देशित मॉड्यूल पर आधारित प्रशिक्षण मॉड्यूल' द्वारा सेवारत अध्यापकों का 10 दिवसीय प्रशिक्षण बी0आर0सी0 स्तर पर आयोजित किया गया।

वर्षवार प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रगति विवरण निम्नवत् है:–

क्र0 सं0	वर्ष	प्रशिक्षण मॉड्यूल का नाम	प्रशिक्षण अवधि	सेवारत शिक्षकों की संख्या	प्रशिक्षित शिक्षकों की संख्या
1	2001–02	'साधन'	08 दिवसीय	591	586
2	2002–03	'कठिन स्थलों पर आधारित'	10 दिवसीय	564	540

शिक्षा मित्र/आचार्य/अनुदेशक प्रशिक्षण

वर्ष 2001–02 में जनपद के चयनित शिक्षा मित्रों का 30 दिवसीय सेवापूर्व प्रशिक्षण डायट के वैकल्पिक केन्द्र लोहाघाट में 03 चक्रों में एवं 01 चक्र डायट डीडीहाट, पिथौरागढ़ में सम्पादित किया गया। इसी प्रकार आचार्य व अनुदेशक प्रशिक्षण भी सम्बन्धित प्रशिक्षण केन्द्रों में आयोजित किए गये। वर्ष 2002–03 में चयनित आचार्य/अनुदेशक का सेवापूर्व प्रशिक्षण एवं पूर्व में चयनित शिक्षा मित्र/आचार्य/अनुदेशक का 15 दिवसीय आवर्ती प्रशिक्षण डायट डीडीहाट, पिथौरागढ़ में आयोजित किया गया।

वर्षवार प्रशिक्षण की प्रगति आख्या निम्नवत् है:–

क्र0 सं0	वर्ष	प्रशिक्षण का नाम	प्रशिक्षण अवधि	कुल चयनित/कार्यरत शिक्षामित्र/आचार्य/अनुदेशक	प्रशिक्षित शिक्षामित्र/आचार्य/अनुदेशक

1	2001–02	सेवापूर्व शिक्षामित्र	30 दिवसीय	203	197
		सेवापूर्व आचार्य / अनुदेशक	30 दिवसीय	26	26
2	2002–03	सेवारत प्रशिक्षण शिक्षामित्र	15 दिवसीय	197	197
		सेवापूर्व आचार्य / अनुदेशक	30 दिवसीय	22	22
3	2003–04	सेवापूर्व आचार्य / अनुदेशक	30 दिवसीय	23	23
		सेवारत आचार्य / अनुदेशक	15 दिवसीय	70	44

2. बी.आर..सी. / एन.पी.आर.सी. से अकादमिक सहायता– (विद्यालयों का वीक्षण, मासिक बैठकें, डायट से सम्वन्यन आदि

बी.आर..सी. / एन.पी.आर.सी. से अकादमिक सहायता

परियोजना के विभिन्न कार्यक्रमों के संचालन, विद्यालयों के शैक्षिक एवं भौतिक परिवेश को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से बी0आर0सी0 / एन0पी0आर0सी0 समन्वयकों के द्वारा प्रत्येक माह अपने कार्य क्षेत्र में स्थित विद्यालयों का नियमानुसार वीक्षण, परिवेक्षण एवं अनुसमर्थन किया जाता है। इसके साथ ही शैक्षिक समस्याओं की पहचान करते हुए उनके निराकरण हेतु सम्यक प्रयास भी किया जाता रहा है। आवश्यकतानुसार आदर्श पाठ भी वीक्षण के दौरान कक्षा में दिया जाता है।

प्रतिमाह नियमित रूप से मासिक बैठकों का आयोजन नियत तिथि को किया जाता है। जिसमें शैक्षिक मुद्दों पर व्यापक विचार विमर्श करते हुए शैक्षिक उन्नयन हेतु सामूहिक निर्णय लिये जाते हैं। समस्या समाधान अपने स्तर पर न हो पाने की स्थिति में डायट तथा डी0पी0ओ0 को अवगत कराया जाता है।

प्रत्येक माह डायट एवं डी0पी0ओ0 स्तर पर भी बैठकों का नियमित आयोजन किया जाता है। डायट स्तर पर विभिन्न शैक्षिक मुद्दों के समाधान हेतु चर्चा की जाती है। समय–2 पर डायट के मेन्टर्स के द्वारा जनपद के विभिन्न विद्यालयों का वीक्षण, अनुसमर्थन भी किया जाता है।

3. टी.एल.एम. निर्माण व उपयोग

टी0एल0एम0 कार्यशालाः

परियोजना के अन्तर्गत प्रतिवर्ष प्रत्येक अध्यापक को शिक्षण अधिगम सहायक सामग्री निर्माण हेतु रू0 500.00 शिक्षक अनुदान के रूप में दिया जाता है। टी.एल.एम. निर्माण से पूर्व टी. एल.एम. की अवधारणा निर्माण एवं उपयोग को स्पष्ट करने के लिए वर्ष 2002–03 में जनपद स्तर पर टी.एल.एम. कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें सभी बी.आर.सी./एन.पी.आर.सी. व अन्य अभिकर्मियों ने प्रतिभाग किया।

टी.एल.एम. प्रदर्शनी

प्रतिवर्ष माह अक्टूबर से दिसम्बर के मध्य 24 एन.पी.आर.सी. स्तर पर टी.एल.एम. प्रदर्शनी/प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रत्येक विद्यालय के अध्यापकों ने प्रतिभाग किया। न्याय पंचायत स्तर पर चयनित तीन अध्यापकों ने अपने से सम्बन्धित विकास खण्ड स्तरीय टी.एल.एम. प्रदर्शनी में प्रतिभाग किया। विकास खण्ड स्तर पर सम्पन्न प्रतियोगिताओं में चयनित शिक्षकों ने जनपद स्तरीय टी.एल.एम. प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। वर्ष 2002–03 में जिले में प्रथम स्थान प्राप्त शिक्षक द्वारा राज्य स्तर पर जिला समन्वयक, प्रशिक्षण के नेतृत्व में रूड़की डायट में प्रतिभाग किया। जहॉ पर जनपद को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।

4. स्कूल ग्रेडिंग

जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत संचालित विभिन्न भौतिक एवं शैक्षिक कार्यक्रमों का मुख्य लक्ष्य विद्यालय के भौतिक परिवेश को आकर्षक बनाने के साथ–2 बच्चे की शैक्षिक सम्प्राप्ति को अपेक्षित स्तर तक लाना है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के मापन हेतु शिक्षाविदों एवं शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत अधिकारियों/शिक्षकों/समन्वयकों द्वारा विशेष प्रकार का विद्यालय कोटिकरण प्रपत्र तैयार किया गया हैं। इस प्रपत्र के द्वारा प्रत्येक विद्यालय का वर्ष में तीन बार कोटिकरण किया जाता है। कोटिकरण की श्रेणियॉ ए.बी.सी.डी. एवं ई. निर्धारित की गई हैं। कोटिकरण के उपरान्त प्रत्येक विद्यालय को उच्च स्तर की श्रेणी ए. में ले जाने हेतु निदानात्मक उपाय भी किए जाते हैं। वर्ष 2002–03 में जनपद के समस्त 444 विद्यालयों का तीन बार कोटिकरण एवं वर्ष 2003–04 में दो बार कोटिकरण किया जा चुका है।

अब तक किए गये समस्त कोटिकरण का विवरण निम्न तालिका में दर्शाया जा रहा है:–

वर्ष 2002–2003

क्र0 सं0	कोटि	प्रथम मूल्यांकन	द्वितीय मूल्यांकन	तृतीय मूल्यांकन

1	AA	3	6	24
2	BA		1	6
3	CA		1	1
4	DA			1
5	EA			
6	AB	11	35	89
7	BB	24	68	122
8	CB	7	9	6
9	DB			3
10	EB		1	1
11	AC	15	24	23
12	BC	140	153	104
13	CC	122	95	51
14	DC	9	6	2
15	EC	5	1	
16	AD			
17	BD	17	9	1
18	CD	59	6	6
19	DD	31	18	4
20	ED		11	
21	AE			
22	BE			
23	CE			
24	DE	1		
25	EE			
योग		**444**		**444**

वर्ष 2003–2004

क्र0 स0	कोटि	प्रथम मूल्यांकन	द्वितीय मूल्याकन
1	AA	16	24
2	BA	51	51
3	CA	20	07
4	DA	01	-
5	EA	-	-
6	AB	10	44
7	BB	101	164
8	CB	125	31
9	DB	06	-
10	EB	-	-
11	AC	16	26
12	BC	19	30
13	CC	61	20
14	DC	06	-

15	EC	01	-
16	AD	01	01
17	BD	04	04
18	CD	02	01
19	DD	01	-
20	ED	01	-
21	AE	-	-
22	BE	-	-
23	CE	01	-
24	DE	-	01
25	EE	-	-
योग		443	404

5. विद्यालय विकास अनुदान

परियोजना द्वारा विद्यालय के अपेक्षित एवं आकर्षक स्वरूप को बनाये रखने के लिए प्रत्येक वर्ष प्रत्येक विद्यालय को रू0 2000.00 अनुदान के रूप में दिया जाता है। जिसके द्वारा भवन के रंग रोगन, सफेदी, टाट पट्टी, ब्लैक बोल्ड, फर्नीचर आदि की व्यवस्था वरीयता के अनुसार की जाती है। इस व्यय का पर्यवेक्षण एवं सत्यापन करने के उपरान्त उपभोग प्रमाण पत्र सम्बन्धित सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा सत्यापित कराया जाता है।

क्र0 सं0	वर्ष	विद्यालयों की कुल संख्या	विद्यालय जहॉ धनराशि दी गई	अभ्युक्ति
1	2000–01	399	399	
2	2001–02	417	417	28 नवीन विद्या0 सम्मिलित
3	2002–03	445	445	18 विद्यालय टनकपुर क्षेत्र में सम्मिलित
4	2003–04	444	444	01 असंचालित

शिक्षक अनुदानः

प्रतिवर्ष प्रत्येक शिक्षक को रू0 500.00 की धनराशि शिक्षण सहायक सामग्री बनाये जाने के उद्देश्य से दिया जाता है जिसका विवरण निम्न तालिका में दर्शाया जा रहा हैः–

क्र0 सं0	वर्ष	कुल कार्यरत अध्यापक	धनराशि कितने अध्यापकों को वितरित की गई	अभ्युक्ति
1	2001–02	596	596	टी.एल.एम. निर्माण की प्रदर्शनी का आयोजन एवं प्रयोग
2	2002–03	598	598	
3	2003–04	560	560	

6. मापन मूल्यांकन

जनपद चम्पावत के अन्तर्गत बाराकोट विकास खण्ड के सभी प्राथमिक विद्यालयों का सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन पायलट प्रोजक्ट के रूप किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत विद्यालय में अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं का शैक्षिक एवं पाठ्ययेत्तर क्रियाकलापों का मापन किया जा रहा है। वर्ष में दो बार (छः माही व वार्षिक) मापन किया जाना है। जिससे प्रत्येक छात्र के व्यक्तिगत शैक्षिक/शिक्षणेत्तर स्तर का पता चल जाता है।

इस कार्यक्रम के लिए डायट अल्मोड़ा में छः सदस्यों ने सन्दर्भ के रूप में प्रशिक्षण प्राप्त किया। जिसमें जिला समन्वयक (प्रशिक्षण), सम्बन्धित विकास खण्ड के सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारी, बी0आर0सी0 समन्वयक एवं 04 एन0पी0आर0सी0 समन्वयकों ने प्रतिभाग किया। तदुपरान्त बाराकोट विकास खण्ड के कुल 69 प्राथमिक विद्यालयों के 69 अध्यापकों को प्रशिक्षित किया गया। यह कार्यक्रम अक्टूबर नवम्बर से चल रहा है। वर्तमान में सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन के तहत प्रत्येक विद्यालय के छात्रों को 02 मासिक टेस्टों एवं छःमाही परीक्षा के आधार पर शैक्षिक/पाठ्येत्तर मूल्यांकन किया जा चुका है।

बैठक कार्यशाला : प्रगति परिदृश्य

क्र0 सं0	कार्यक्रम का नाम	लक्ष्य	प्रतिभागी	प्रगति /अभ्युक्ति
1	डी.आर.जी. का गठन एवं बैठक	4	30	गठित बैठक आयोजित
2	बी.आर.जी. का गठन एवं बैठक	4	120	गठित बैठक आयोजित
3	विजनिंग कार्यशाला	2	60	आयोजित
4	जनपद स्तरीय टी.एल.एम. कार्यशाला	1	30	आयोजित

विद्यालय विकास अनुदान

क्र0 सं0	वर्ष	कुल विद्यालय	वितरित
1	2000–01	399	399
2	2001–02	417	417
3	2002–03	445	445
4	2003–04	445	444

शिक्षक अनुदान (टी.एल.एम.)

क्र0 सं0	वर्ष	कुल शिक्षक	वितरित
1	2000–01	–	–
2	2001–02	596	596
3	2002–03	560	558

4	2003–04	559	560

निःशुल्क पाठ्य पुस्तक

क्र0 सं0	वर्ष	लक्ष्य	वितरित
1	2000–01	15109	15109
2	2001–02	17670	17670
3	2002–03	18113	18113
4	2003–04	18172	18172

स्वास्थ्य परीक्षण

उत्तरांचल बाल कल्याण परिषद के दिशानिर्देशों के अनुसार स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से प्राथमिक विद्यालयों में नामांकित बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण माह नवम्बर 2003 में कराया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी चम्पावत की उक्त स्वास्थ्य परीक्षण सूचना के अनुसार कुल 19767 बच्चे विभिन्न प्रकार की बिमारियों/कमियों से ग्रसित हैं। जिसका विवरण अग्र तालिका में दिया जा रहा हैं। इनमें से 603 बच्चे जो गम्भीर बिमारियों से पीड़ित हैं। उच्च स्वास्थ्य केन्द्रों को सन्दर्भित किए गये हैं।

खून की कमी	विटामिन ए की कमी	आँखों की बिमारी	त्वचा रोग	उदर रोग	दन्त रोग	कर्ण रोग	अन्य	PHC को सन्दर्भित	कुल
1389	134	255	331	189	1190	619	689	603	18767

प्रशिक्षण कार्यक्रम : प्रगति परिदृश्य

जनपद में ग्राम स्तर से जनपद स्तर तक के शैक्षिक अभिकर्मियों, संगठनों एवं अकादमिक संस्थाओं से जुड़े अभिकर्मियों हेतु अद्यतन आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण निम्न तालेका में दर्शाया जा रहा है:

क्र0 सं0	प्रशिक्षण का नाम	अवधि	लक्ष्य	प्रतिभागी / प्रगति
1	डी.आर.जी./बी.आर.जी. प्रशिक्षण	3 दिवसीय	1	101
2	ग्रा.शि.स. प्रशिक्षण	3 दिवसीय	239	6480
3	सन्दर्भ व्यक्तियों का प्रशिक्षण	8 दिवसीय	1	40
4	सेवारत् शिक्षक प्रशिक्षण	8 दिवसीय	606	590
5	आचार्य/अनुदेशकों का प्रशिक्षण सेवापूर्व	30 दिवसीय	70	70
6	आचार्य/अनुदेशकों का प्रशिक्षण पुनर्बोधात्मक	15 दिवसीय	70	44
7	शिक्षा मित्रों का सेवा पूर्व प्रशिक्षण	30 दिवसीय	123	121

8	बी.आर.सी./एन.पी.आर.सी. समन्वयकों का प्रशिक्षण	8 दिवसीय	35	31
9	निर्माण कार्य प्रशिक्षण	3 दिवसीय	1	30

सामुदायिक सहभागिता : प्रगति परिदृश्य

प्राथमिक शिक्षा में समुदाय की सहभागिता विकसित करने के उद्देश्य से ग्राम शिक्षा समितियॉ गठित की गई हैं। ग्राम शिक्षा समितियों से यह अपेक्षा की गई है कि वह शिक्षा के क्षेत्र में अहम भमिका निभायेगे। साथ ही साथ समुदाय को गतिशील बनाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

ग्राम शिक्षा समितियों को विभिन्न शैक्षिक कार्यो हेतु उत्तरदायी भी बनाया गया है: यथा--

- शत प्रतिशत नामांकन,
- विद्यालय की धरण क्षगता में वृद्धि,
- विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों की सहायता, उनकी शिक्षा व्यवस्था,
- ग्राम स्तरीय संगठनों के मध्य समन्वयन,
- निर्माण कार्य,
- निर्माण कार्य हेतु भूमि' की निःशुल्क व्यवस्था,
- ई.जी.एस./ए.एस. केन्द्रों की व्यवस्था,
- पैराटीचर्स /आचार्य /अनुदशक का चयन उनकी उपस्थिति सुनिश्चित करना,
- मानदेय भुगतान
- निःशुल्क पाठ्य पुस्तक एंव छात्रवृत्ति वितरण
- स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था
- सूक्ष्म नियोजन
- स्कूल मानचित्रण
- ग्राम शिक्षा योजना का निर्माण

ग्राम शिक्षा समिति का कार्य क्षेत्र सम्पूर्ण ग्राम पंचायत होती हैं। एक ग्राम पंचायत में एक से अधिक विद्यालय भी होते हैं। उत्तरांचल भी भौगोलिक स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए ग्राम शिक्षा समितियों को। सहयोग देने हेतु स्कूल प्रबन्ध समितियों का भी गठन किया गया है, ताकि प्रत्येक विद्यालय में शैक्षिक कार्यक्रम प्रभावी ढंग से लागू किए जा सकें।

ग्राम शिक्षा समितियों को उनके कार्यदायित्व के सम्बन्ध में जानकारी देने व उन्हें जागरूक करने तथाा उनकी सतत् सहभागिता प्राप्त करने के उद्देश्य से जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। प्रमुखतया ग्राम शिक्षा समितियों को प्रशिक्षित करने की व्यवस्था भी की गई है।

सामुदायिक सहभागिता के अनतर्गत अद्यतन प्रगति बिन्दुवार निम्नवत् दर्शायी जा रही है:--

क्र. सं.	जनजागरणण /जन चेतना एवं सामुदायिक सहभागिता हेतु कार्य नीतियां	अद्यतन आयोजित क्रियाकलाप	प्रभाव
1	प्रचार प्रसार एवं वातावरण सृजन।	स्कूल चलो अभियान, जन सम्पर्क, गोष्ठियां	बालिकाओं के नामांकन में वृद्धि तथा गत वर्ष की तुलना में अधिक बच्चे नामांकित
2	ग्राम स्तरीय समितियों का प्रशिक्षण एवं बैठकों का	249 ग्राम शिक्षा समितियों/445 स्कूल प्रबन्धन समिति का	महिलाओं का बैठकों में प्रतिभाग लेना तथा ग्राम शिक्षा समितियों

	आयोजन	प्रशिक्षण एवं नियमित बैठकें	/स्कूल प्रबन्धन समिति की सक्रिय शैक्षिक सहभागिता
3	ग्राम स्तरीय समुदाय की सक्रिय सहभागिता	सूक्ष्म नियोजन एवं ग्राम शिक्षा योजना निर्माण	249 ग्राम सभाओं में ग्राम शिक्षा योजना एवं विद्यालय मानचित्रण का कार्य पूर्ण
4	समुदाय के सदस्यों के महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त करना एवं कार्यक्रमों में सहयोग	डी.आर.जी. /बी.आर.जी. का गठन/प्रशिक्षण एवं अभिमुखीरकण	महत्वपूर्ण एवं व्यावहारिक सुझाव तथा कार्यक्रम के क्रियान्वयन में सहयोग मिल रहा है, यथा ई.जी. एस./ए.एस. केन्द्रों हेतु निःशुल्क भवन व्यवस्था, विद्यालय भौतिक संसाधनों में योगदान, शिक्षण कार्य में सहयोग
5	अन्य विभागों से समन्वयन एवं सहयोग	ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत, जिला पंचायत, ग्रामीण अभियंत्रण, लघु सिंचाई, स्वास्थ्य विभाग आदि से सम्पर्क एवं सुझाव परामर्श	स्थल चयन निर्माण कार्य स्वास्थ्य परीक्षण वैकल्पिक प्रशिक्षण केन्द्र की व्यवस्था आदि में सहयोग

ग्राम शिक्षा समितियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम : प्रगति परिदृश्य

a) सन्दर्भदाता (डी.आर.जी.) प्रशिक्षण

वर्ष	जिला सन्दर्भ समूह का गठन/प्रशिक्षण	प्रशिक्षण मॉड्यूल	डी.आर.जी. सदस्यों की संख्या	प्रशिक्षित डी.आर.जी. संख्या	अभ्युक्ति
2000–01	डी.आर.जी. गठित एवं प्रशिक्षित	प्रयास एवं संकल्प	30	30	बी.आर.जी. व वी.ई.सी. प्रशिक्षण में सहयोग
2001–02	डी.आर.जी. गठित एवं प्रशिक्षित	प्रयास एवं संकल्प	30	30	बी.आर.जी. व वी.ई.सी. प्रशिक्षण में सहयोग
2002–03	डी.आर.जी. गठित एवं प्रशिक्षित		30	30	
2003–04	डी.आर.जी. गठित एवं प्रशिक्षित	शिक्षा की ओर बढ़ते कदम	25	25	बी.आर.जी. व वी.ई.सी. प्रशिक्षण में सहयोग

सन्दर्भदाता (बी.आर.जी.) प्रशिक्षण

वर्ष	ब्लाक सन्दर्भ समूह का गठन/प्रशिक्षण	प्रशिक्षण मॉड्यूल	बी.आर.जी. सदस्यों की संख्या	प्रशिक्षित बी.आर.जी. संख्या	अभ्युक्ति
2000–01	बी.आर.जी. प्रशिक्षण	प्रयास एवं संकल्प	120	101	ग्राम शिक्षा समिति को प्रशिक्षित किया गया।
2001–02	बी.आर.जी. प्रशिक्षण	प्रयास एवं संकल्प	120	101	ग्राम शिक्षा समिति को प्रशिक्षित किया गया।
2002–03	बी.आर.जी. अभिमुखीकरण प्रशिक्षण		120	101	

b) ग्राम शिक्षा समिति प्रशिक्षण

वर्ष	कुल ग्राम शिक्षा समिति	लक्ष्य	प्रशिक्षित	प्रतिभागी सं0	अभ्युक्ति
2000–01	249	100	100	2886	टनकपुर क्षेत्र की 10 ग्राम शिक्षा समितियां पैतृक जनपद में संचालित सबके लिए शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत प्रशिक्षित
2001–02	249	149	139	3970	
योग	249	239	239	6856	
2003–04	283	283	283		प्रशिक्षण दिया जा रहा है

सूक्ष्म नियोजन एवं स्कूल मानचित्रण

वर्ष	कुल ग्राम शिक्षा समितियां	प्रशिक्षित ग्राम शिक्षा समितियों की संख्या	माइक्रो प्लानिंग / स्कूल मानचित्रण कार्य		ग्राम शिक्षा योजना निर्माण कार्य	
			पूर्ण	प्रारम्भ	पूर्ण	प्रारम्भ
2000–01	249	100	100	–	100	–
2001–02	249	149	100	–	100	–
2003–04	283	283	–	283	–	283

वर्ष 2002–03 में सूक्ष्म नियोजन के ऑकड़ों को संशोधित किया गया तथा परिवार सर्वेक्षण का कार्य पूर्ण किया गया। परिवार सर्वेक्षण के आधार पर स्कूल न जाने वाले (श्यालाग्यागी व कभी स्कूल न गये) बच्चों की सूची विद्यालय स्तर पर उपलब्ध है। जिन्हें विद्यालय में लाने हेतु ग्राम शिक्षा समिति द्वारा सहयोग दिया गया। स्कूल मानचित्रण का कार्य सभी विद्यालयों में करा लिया गया है।

परिवार सर्वेक्षण के आधार पर 6–11 वय वर्ग के स्कूल न जाने वाले बच्चों का विवरण:–

क्र. सं.	विकास खण्ड	6–11 वय वर्ग के स्कूल न जाने वाले बच्चे											
		कुल			अनु0 जा0			जन0 जा0			पिछड़ा जाति		
		B	G	T	B	G	T	B	G	T	B	G	T
1	पाटी	5	10	15	1	3	4	-	-	-	-	1	1
2	बाराकोट	0	3	3	0	2	2	-	-	-	-	1	1
3	लोहाघाट	16	40	56	7	9	16	-	-	-	-	-	-
4	चम्पावत	28	37	65	08	15	23	02	02	04	01	08	09
	कुल	**49**	**90**	**139**	**16**	**29**	**45**	**2**	**2**	**4**	**1**	**8**	**9**

दक्षता विकास : प्रगति परिदृश्य

दक्षता विकास के अन्तर्गत अन्य लक्ष्यों का प्रगति परिदृश्य निम्न तालिका में दर्शाया जा रहा है:

क्र0 सं0	विवरण	लक्ष्य	प्रगति /अभ्युक्ति
1	डायट का सुदृढ़ीकरण	01	पैतृक जनपद पिथौरागढ़ की डायट (डी.डी.हाट) द्वारा सम्पादित किया जा रहा है।
2	बी.आर.सी. स्थापना/निर्माण	04	स्थापित/कार्य सम्पादित किए जा रहे हैं।
3	एन.पी.आर.सी. स्थापना /निर्माण	23	स्थापित/कार्य सम्पादित किए जा रहे हैं।
4	जिला परियोजना कार्यालय की स्थापना	01	स्थापित
5	शैक्षिक प्रबन्धन एवं सूचना प्रकोष्ठ की स्थापना /निर्माण	01	कार्यालय के साथ स्थापित

ई.एम.आई.एस.

शौक्षिक प्रबन्धन एवं सूचना प्रणाली : प्रगति परिदृश्य

क्र0 सं0	विवरण	वर्तमान स्थिति
1	कार्यरत अभिकर्मी – कम्प्यूटर आपरेटर, स्वीकृत पद–01	कार्यरत 01
2	उपकरण	
	1. हार्डवेयर	उपलब्ध है
	2. साफ्टवेयर	उपलब्ध है
	3. प्रबन्धन सूचना प्रणाली का कक्ष निर्माण	उपलब्ध है
3	शौक्षिकें प्रबन्धन एवं सूचना प्रणाली वर्षवार प्रगति	
	2001–02	डाटा इन्ट्री कार्य पूर्ण, रिपोर्ट स्कूल स्तर से एस.पी.ओ. स्तर तक उपलब्ध करायी गई है।
	2002–03	डाटा इन्ट्री कार्य पूर्ण, रिपोर्ट स्कूल स्तर से एस.पी.ओ. स्तर तक उपलब्ध करायी गई है।
	2003–04	प्रपत्र वितरित, प्रशिक्षण कार्य पूर्ण, एन.पी.आर.सी./बी. आर.सी. स्तर पर भरे गये प्रपत्रों की जॉच का कार्य चल रहा है।
	वर्षवार ई.एम.आई.एस. से प्राप्त सूचनाओं का उपयोग विभिन्न स्तर पर कार्ययोजना निर्माण में किया जा रहा है।	

समेकित शिक्षा : प्रगति परिदृश्य

क्र0 सं0	क्रियाकलाप	वर्तमान स्थिति
1	सर्वेक्षण, ऑकड़ों का संकलन	पूर्ण
2	विद्यालय में नामांकित बच्चों की संख्या/पहचान	विद्यालय से जनपद स्तर तक पर सूची उपलब्ध है
3	विद्यालय से बाहर रह गये बच्चों की संख्या/पहचान	विद्यालय से जनपद स्तर तक पर सूची उपलब्ध है
4	सामग्री तथा उपकरणों की व्यवस्था/शिविरों का आयोजन	शिविर आयोजित कर उपकरण वितरित
5	सेवारत अध्यापक प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षकों में कौशलों एवं दक्षताओं का विकास	अध्यापक सेवारत प्रशिक्षण के दौरान समेकित शिक्षा पर आधारित मॉड्यूलों के अनुसार अध्यापकों को प्रशिक्षित किया गया

घर–2 सर्वेक्षण के आधार पर विशेष आवश्यकता वाले बच्चों का विकास क्षेत्रवार विवरण :–

क्र0 सं0	विकास खण्ड	दृष्टि		अस्थि		श्रवण / वाणी		मानसिक विकार		अधिक अक्षमता		बहुश्रेणी		योग	
		B	G	B	G	B	G	B	G	B	G	B	G	B	G
1	चम्पावत	00	00	32	17	00	00	04	01	00	00	00	00	36	18
2	बाराकोट	00	00	21	13	00	00	02	03	00	00	00	00	23	16
3	पाटी	07	04	13	11	02	01	00	00	08	06	00	00	30	22
4	लोहाघाट	01	00	26	11	00	01	01	06	03	02	00	00	31	20
कुल		08	04	92	52	02	02	07	10	11	08	00	00	120	76

उपलब्धि

राष्ट्रीय अस्थि विकलांग सहायता सस्थान, देहरादून तथा चिकित्साा विभाग चम्पावत के सहयोग से जनपद में 20.02.2003 से 22.02.2003 तक 03 शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों में विशेष आवश्यता वाले बच्चों को मौबलिटी सहायता उपकरण प्रदान किये गये तथा बच्चों की जॉच कर विकलांगता प्रमाण पत्र प्रदान करने हेतु प्रपत्र भरे गये। इन शिविरों में 07 ट्राईसाईकल, 12 व्हील चियर, 10 वॉकिंग स्टिक्स, 10 कौकअप स्पिलेन्ट वितरित किए गये।

अध्याय – 03
परियोजना के लक्ष्यों में अन्तराल की स्थिति

पहुँच /नामांकन
सकल पहुँच दर

वर्ष 2004 तक जनपद में परियोजनान्तर्गत 28 नवीन प्राथमिक विद्यालय, 55 विद्या केन्द्र तथा 15 शिक्षा घरों की स्थापना के उपरान्त भी 51 बस्तियां अभी असेवित रह गई हैं। वर्तमान में सकल पहुँच दर 95.9 प्रतिशत है। इस प्रकार परियोजना लक्ष्य से 4.1 प्रतिशत का अन्तराल रह गया है।

जनपद में परियोजनान्तर्गत स्वीकृत 123 शिक्षा मित्र तथा उत्तरांचल शासन द्वारा 82 शिक्षा मित्र की स्वीकृति के उपरान्त भी जनपद में 222 विद्यालय अभी एकल शिक्षकीय रह गये हैं।

सकल नामांकन दर

जनपद में सकल नामांकन का लक्ष्य 120 प्रतिशत है। परियोजनान्तर्गत अब तक चलाये गये विभिन्न जागरूकता अभियानों ग्राम शिक्षा समितियों के प्रशिक्षणों जन सम्पर्क अभियानों तथा मॉडल कलस्टर एप्रोच के अन्तर्गत आयोजित कार्यक्रमों के द्वारा बच्चों के नामांकन में वृद्धि हुई है। वर्तमान सकल नामांकन दर 105.7 प्रतिशत है। इस प्रकार परियोजना के लक्ष्य का अन्तराल 14.3 प्रतिशत रह गया है।

ठहराव
बालिका शिक्षा के विकास हेतु कार्यक्रम

बलिका शिक्षा के विकास हेतु जनपद में मॉडल कलस्टर एप्रोच की रणनीति अपनाई गई है। परियोजना अवधि का लक्ष्य निम्नवत् दर्शाया जा रहा है:

परियोजना अवधि का लक्ष्य	2000–01	2001–02	योग	अन्तराल
116	05	05	10	106

गुणवत्ता संवर्धन

प्रारम्भिक शिशु देख–रेख एवं शिक्षा (ई.सी.सी.ई.) केन्द्रो की स्थापना

जनपद हेतु परियोजना अवधि में कुल 116 ई.सी.सी.ई. केन्द्र प्रस्तावित हैं। जनपद में बाल विकास परियोजना लागू न होने के कारण वर्ष 2001–02 में पायलट केन्द्र के रुप में 10 ई.सी.सी.ई. केन्द्र विद् ई.जी.एस. स्वीकृत किए गये हैं। वर्तमान उपलब्धि एवं परियोजना अन्तराल निम्नवत् हैः

परियोजना अवधि का लक्ष्य	वर्षवार लक्ष्य		अन्तराल
	2000–01	2001–02	
116	–	10	106

गुणवत्ता संवर्धन के अन्तर्गत परियोजना के अन्य लक्ष्यों एवं वर्तमान उपलब्धि तथा अन्तराल को निम्नवत् दर्शाया जा रहा है।

क्र0 सं0	क्रिया कलाप	परियोजना लक्ष्य	वर्ष 2004 तक उपलब्धि	अन्तराल
1	डी.आर.जी. गठन एवं प्रशिक्षण	1 प्रतिवर्ष	1	–
2	बी.आर.जी. गठन एवं प्रशिक्षण	4 प्रतिवर्ष	4	–
3	पैराटीचर्स का सेवा पूर्व, प्रशिक्षण	123	121	2
4	पैराटीचर्स का सेवारत प्रशिक्षण	123	–	123
5	आचार्य/अनुदे□ाकों का सेवापूर्व प्र□िक्षण	80	70	10
6	आचार्य/अनुदे□ाकों का पुनर्बोधात्मक प्र□िक्षण	80	44	36
7	सेवारत् अध्यापकों का प्रशिक्षण	5 चक्र	1	4 चक्र
8	वी.ई.सी. सदस्यों का प्रशिक्षण	3 चक्र	1	2 चक्र
9	बी.आर.सी./एन.पी.आर.सी. समन्वयकों/एस.डी.आई. का प्रशिक्षण	5 चक्र	1	4 चक्र
10	प्रधानाध्यापकों का प्रशिक्षण	3 चक्र		3 चक्र
11	शिक्षक अनुदान सामग्री निर्माण	प्रतिवर्ष	1	4
12	विद्यालय विकास अनुदान	प्रतिवर्ष/ प्रतिविद्यालय	1	4
13	निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों का वितरण	प्रतिवर्ष	2	3
14	वी.ई.सी. पुरस्कार	4 प्रतिवर्ष	–	4
15	स्कूल एवार्ड	32	–	32

दक्षता विकासः

दक्षता विकास के अन्तर्गत अद्यतन प्रगति एवं परियोजना अवधि के लक्ष्यों के अन्तराल को निम्नवत् दर्शाया जा रहा हैः

क्र0 सं0	क्रिया कलाप	परियोजना लक्ष्य	वर्ष 2004 तक उपलब्धि	अन्तराल
1	ग्राम स्तरीय सूक्ष्म नियोजन	249	249	–
2	डायट का सुदृढ़ीकरण	1	–	1
3	विकास खण्ड संसाधन केन्द्रों की स्थापना	4	4	–
4	एन.पी.आर.सी. की स्थापना	23	23	–
5	जिला परियोजना कार्यालय की स्थापना	1	1	–
6	ई.एम.आई.एस.	1	1	–
7	दूरस्थ शिक्षा	1	–	1
8	समेकित शिक्षा	2 वि0ख0	–	2

अध्याय – 04
अतिरिक्त प्रस्तावित कार्यक्रम
सिविल एवं अन्य

स्वीकृत पर्सपेक्टिव प्लान के अतिरिक्त प्रस्ताव

चूँकि डी0पी0ई0पी0 मार्गदर्शी सिद्धान्तों के अनुसार मात्र 24 प्रतिशत की सीमा निर्माण कार्य हेतु निर्धारित की गई थी। इस सीमा के अन्तर्गत जनपद में निर्माण कार्य कराये गये। परन्तु वर्तमान सर्वेक्षण, ई.एम.आई.एस. सूचना से प्राप्त सूचना के आधार पर वर्तमान में प्राथमिक विद्यालयें में भौतिक संसाधनों की आवश्यकता में निम्नवत् हैं:–

कुल विद्यालय	ध्वस्त	बृहद मरम्मत	लघु मरम्मत	शौचालय	पेयजल	चहारदीवारी	विद्युत संयोजन	अतिरिक्त कक्षा कक्ष
445	09	42	89	365	356	420	442	20

जनपद की वर्तमान आवश्यकता को देखते हुए संशोधित पर्सपेक्टिव प्लान में 20 अतिरिक्त कक्षा कक्ष तथा 09 ध्वस्त प्राथमिक विद्यालयों का पुनर्निर्माण एवं 350 शौचालयों का निर्माण अतिरिक्त कार्य के रूप में प्रस्तावित किया गया है। जिस पर 7690.800 (हजार) धनराशि व्यय होगी और निर्माण कार्य की सीमा 22.29 प्रतिशत रहेगी। उक्त अतिरिक्त कार्य एवं वर्ष 2004–05 के लिए प्रस्तावित योजना के पश्चात संशोधित पर्सपेक्टिव प्लान का विवरण अगले अध्याय (05) में एवं संलग्न संशोधित पर्सपेक्टिव प्लानं में दर्शाया गया है:–

अध्याय – 05
संशोधित कार्ययोजना एवं बजट
(वर्ष 2000 – 2005)

जनपद चम्पावत डी0पी0ई0पी0 तृतीय से आच्छादित छः जनपदों में से एक जनपद है। जनपद में यह परियोजना अप्रैल 2000 से प्रारम्भ हुई है। प्राथमिक शिक्षा के सार्वजनीकरण हेतु जिला प्राथमिक कार्यक्रम के लक्ष्य निम्नवत् निर्धारित हैं:–

1. बालक–बालिका व विभिन्न सामाजिक वर्गो के बच्चों के मध्य नामांकन स्वनिष्कासन तथा शैक्षिक सम्प्राप्ति के अन्तर को कम कर 5 प्रतिशत तक लाना।
2. प्राथमिक स्तर के ड्राप आउट दर को 10 प्रतिशत से कम करना।
3. औसतन लक्ष्य प्राप्ति के स्तर को आधारभूत शैक्षिक सर्वेक्षण में निर्धारित आधार रेखा से कम से कम 25 प्रतिशत की वृद्धि।
4. सभी विद्यार्थियों में आधारभूत साक्षरता व गणितीय क्षमता को प्रापत करना व अन्य क्षमताओं में 40 प्रतिशत की उपलब्धि।
5. राष्ट्रीय मानदण्डों के आन्तर्गत सभी बच्चों की पहुँच प्राथमिक शिक्षा (कक्षा 01 से 05) के लिए सुनिश्चित करना जहॉ औपचारिक शिक्षा उपलब्ध न कराई जा सकती हो वहॉ पर वैकल्पिक शिक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराना।

उक्त के अतिरिक्त परियोजना के लक्ष्यों में यह भी सम्मिलित है कि:–

1. शैक्षिक पहुँच में विद्यमान विषमता को दूर करना।
2. अपवंचित वर्ग हेतु समान वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करना।
3. विद्यालयी सुविधाओं में स्थायी सुधार।
4. समुदाय की स्कूल प्रबन्धन व विकेन्द्रीकृत योजना निर्माण में सहभागिता सुनिश्चित करना।

अन्ततः परियोजना का लक्ष्य समग्र रूप से प्राथमिक शिक्षा का पुनर्निर्माण है।

उपर्युक्त लक्ष्यों की प्राप्ति के परिप्रेक्ष्य में जनपद की परियोजना से पूर्व की स्थिति निम्नवत् दर्शायी जा रही है।

पहुँच व नामांकनः

- जनपद की कुल 792 बस्तियों मेंं से 183 बस्तियों हेतु स्कूली सुविधा नही थी तथा जनपद का जी.ए.आर. 88.77 प्रतिशत था।
- 6–11 वय वर्ग के कुल 3485 बच्चे स्कूल से बाहर थे जिनमें बालिकाओं का प्रतिशत अधिक था। जनपद का सकल नामांकन दर 101 प्रतिशत था।
- जनपद का ड्राप आउट दर बालक 18.8 तथा बालिका 28.09 प्रतिशत था।

परियोजना से पूर्व जनपद में संचालित 399 विद्यालयों में भौतिक संसाधनों की आवश्यकता निम्न तालिका में दर्शायी जा रही है:–

विद्यालयों की संख्या	अतिरिक्त कक्षा कक्ष	ध्वस्त	बरामदा	शौचालय	पेयजल	चहारदीवारी	विद्युत	मरम्मत	भवनहीन
399	84	25	20	390	388	388	397	163	32

जनपद हेतु वांछित 935 अध्यापकों के पदों के विपरीत केवल 665 अध्यापक ही कार्यरत थे। 90 विद्वालय एकल अध्यापकीय थे।

- शिक्षकों की कार्यक्षमता में विकास हेतु सेवारत प्रशिक्षणों का अभाव।
- न्याय पंचायत, ब्लाक व जिला स्तर पर आकादमिक सहयोग हेतु संस्थाओं का न होना।
- शैक्षिक कार्यक्रमों में समुदाय की सहभागिता न्यून थी।
- पूर्व प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था नहीं थी।

जनपद चम्पावत हेतु स्वीकृत पर्सपेक्टिव प्लान में जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद के लिये निम्न लक्ष्य निर्धारित किये गये।

- जनपद की सकल नामांकन दर 106 से 120 प्रतिशत तक पहुंचाना
- ड्राप आउट दर 23.4 से 5 प्रतिशत तक लाना
- शैक्षिक सम्प्राप्ति के स्तर में अपेक्षित सुधार
- सभी बच्चों को औपचारिक विद्यालयों अथवा वैकल्पिक शिक्षा द्वारा प्राथमिक स्तर की शैक्षिक सुविधा प्रदान करना।
- गुणवत्ता विकास– 1. अध्यापकों का नियमित सेवारत प्रशिक्षण
  2. आचार्य/अनुदेशकों का सेवापूर्व एवं सेवारत प्रशिक्षण
  3. ग्राम शिक्षा समितियों का प्रशिक्षण
- बालिकाओं एवं अपवंचित वर्ग के बच्चों की शिक्षा के प्रति दूरस्थ क्षेत्रों में वातावरण सृजन एवं जागरूकता अभियान
- विद्यालयों में बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति।

6. प्राथमिक शिक्षा हेतु नवाचार कार्यक्रम व नवीन विद्याओं को लागू करना।
7. सभी स्तर के शिक्षा कर्मियों में दक्षता विकास।
8. पहुँच की असमानताओं को दूर करने के लिये असेवित क्षेत्रों विशेशतः दूरस्थ व छितरी बस्तियों, अनु0जाति, जनजाति बहुल बस्तियों में वैकल्पिक शिक्षा केन्द्रों की स्थापना।
9. बच्चों में शैक्षिक सम्प्राप्ति के स्तर में सुधार।
10. अकादमिक सहयोग हुतु न्याय पंचायत व विकास क्षेत्र स्तर पर संसाधन केन्द्रों की स्थापना।

संशोधित पर्सपेक्टिव प्लान वर्ष 2000–05 हेतु कार्यक्रमों का पूर्ण भौतिक एवं वित्तीय विवरण आगामी तालिका में दर्शाया गया है।

Revised Perspective Plan DPEP 2000 - 2005 District Champawat

Rs. In Thousand

Sl. No.	Head / sub Heads / Activity	Approved Perspective Plan/Project Target		Achievement 2000-2004		Remaining Plan for 2004-05 against approved perspective Plan		Additionality		Plan for remaining Project Peried		Revised perspective Plan	
	(A) ACCESS	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin
A1.	Additional Classroom	102	2856.000	102	2856.000			20	1080.000	20	1080.000	122	3936.000
A2.	New Primary School (Unserved Areas)												
	1. Construction	28	2139.200	28	2139.200							28	2139.200
	2a. Salary of Parateachers	28	3992.800	28	2057.500	28	1935.300		-423.300	28	1512.000	28	3569.500
	2b. Addl. Salary of Headteachers			28	336.000	28	-336.000		588.000		252.000		588.000
	3. Furniture/ fixture & Equipment	28	420.000	28	280.000	28	140.000				140.000		420.000
	TOTAL		**9408.000**		**7668.700**		**1739.300**		**1244.700**		**2984.000**		**10652.700**
A3	Shiksha Mitra												
	Honorarium												
	Training												
	Induction Training												
	Rucurring Training												
	TOTAL		**0.000**		**0.000**		**0.000**		**0.000**		**0.000**		**0.000**
A4	Alternative School												
	(A) Shiksha Ghar												
	1. Honorarium												
	(a) Worker	3240	1944.000	15	303.000	15	1641.000		-1386.000		255.000		558.000
	(b) Supervisor	324	324.000				324.000		-324.000				
	2. Maintenance of Cenrtres/Education Material	270	540.000		35.250		504.750		-504.750				35.250
	3. Text Books/TLM	270	445.500		2.129		443.371		-428.371		15.000		17.129
	4. Training-Worker												
	(a) Induction	80	168.000	15	28.575		139.425		-139.425				28.575
	(b) Recurring	190	159.600	15	9.000	15	150.600		-128.100		22.500		31.500
	(C) Training of Supervisor	19	15.960				15.960		-15.960				
	(D) Equipment	80	200.000				200.000		-200.000				
	(E) Induction Training of Supervisor	8	16.800				16.800		-16.800				
	5. Contingency	-	-	15	12.000	15	-12.000		27.000		15.000		27.000
	TOTAL		**3813.860**		**389.954**		**3423.906**		**-3116.406**		**307.500**		**697.454**
	(B) Education Guarantee Scheme												
	1. Honorarium												
	(a) Worker			55	1143.000	65	-1143.000		2248.000		1105.000		2248.000
	(b) Supervisor												
	2. Maintenance of Cenrtres/Education Material			50	115.150	15	-115.150		150.400		35.250		150.400
	3. Text Books/TLM			55	62.528	65	-62.528		127.528		65.000		127.528
	4. Training-Worker												
	(a) Induction			55	102.575	10	-102.575		124.975		22.400		124.975
	(b) Recurring			45	38.000	55	-38.000		120.500		82.500		120.500
	(C) Training of Supervisor												
	(D) Equipment												
	(E) Induction Training of Supervisor												
	5. Contingency			55	46.500	65	-46.500		111.500		65.000		111.500
	TOTAL				**1507.753**		**-1507.753**		**2882.903**		**1375.150**		**2882.903**
A 5	Salary of District Coordinator (AS)								315.000		315.000		315.000
	TOTAL										**315.000**		**315.000**
	SUB TOTAL		**13221.860**		**9566.407**		**3655.453**		**1326.197**		**4981.650**		**14548.057**

Revised Perspective Plan DPEP 2000 - 2005 District Champawat

Sl. No.	Head / sub Heads / Activity	Approved Perspective Plan/Project Target		Achievement 2000-2004		Remaining Plan for 2004-05 against approved perspective Plan		Additionality		Plan for remaining Project Peried		Revised perspective Plan	
	(R) RETENTION	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin
R1	Publicity & Extension Awareness Building/ Mass Communication	714	714.000		68.337		645.663		-633.663		12.000		80.337
R2	Motivators	-	-	-	-								
R3	News Letters		140.000		16.800		123.200		-98.200		25.000		41.800
R4	Construction/Reconstruction of old Primary Schools	20	1528.000	20	1528.000			9	1360.800		1360.800		2888.800
R5	Toilets	38	380.000	38	380.000			350	5250.000	350	5250.000	388	5630.000
R6	Drinking Water	200	4400.000	200	3138.834		1261.166		-1261.166				3138.834
R7	Repair & Maintenance	158	3160.000	158	3136.600		23.400		-23.400			158	3136.600
R8	Upgraded Head teachers	-	-	-	-								
R9	Salary of Additional Para-Teacher	3900	6090.000	95	6846.500	95	-756.500		5886.500		5130.000		11976.500
R10	NGO's Grants/Innovative programmes for NGO's	-	800.000				800.000		-800.000				
R11	Promoting Girls Educaton	150	2400.000				2400.000		-2400.000				
	a. Cluster Mobilization/Awareness			10	20.000		-20.000		30.000		10.000		30.000
	b. WMG Training			10	20.000		-20.000		20.000				20.000
	c. M.T. Training for M.T.A. Training			1	10.000		-10.000		23.210		13.210		23.210
	d. Maa Beti Mela			12	52.958		-52.958		52.958				52.958
	e. Printing Materials Evaluation in M.C.								20.000		20.000		20.000
R12	Training of Elected women of Gram Panchayat	1205	108.450	-	-	241	108.450		-86.760		21.690		21.690
R13	MTA/PTA Training	2000	180.000	1	311.800	-	-131.800		369.400		237.600		549.400
	a. Meena Compain/ Nukkad Natak	23	230.000	90	95.580		134.420		-134.420				95.580
	b. Model Village	23	920.000				920.000		-920.000				
R14	Bal Mela	92	46.000	104	52.000	24	-6.000		18.000		12.000		64.000
R15	Honorarium of AE	36	360.000				360.000		-360.000				
R16	Honorarium of JE	36	1008.000		146.500		921.500		-861.500				146.500
R17	Health Checkup/Card	8	240.000	4	76.768		163.232		-163.232				76.768
R18	Gender Sensitization Programme												
	i. TOT				12.110		-12.110		12.110				12.110
	ii. NPRC/BRC/Teachers Training				85.020		-85.020		85.020				85.020
R19	Salary of District Coordinator (Gender)								360.000		360.000		360.000
	TOTAL (R 1 to R 19)		**22704.450**		**15997.807**		**6706.643**		**5745.657**		**12452.300**		**28450.107**

Revised Perspective Plan DPEP 2000 - 2005 District Champawat

Sl. No.	Head / sub Heads / Activity	Approved Perspective Plan/Project Target		Achievement 2000-2004		Remaining Plan for 2004-05 against approved perspective Plan		Additionality		Plan for remaining Project Peried		Revised perspective Plan	
	(Q) QUALITY IMPROVEMENT	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin
Q1(a)	Opening of ECCE Centres												
	1. Civil Works One Additional Room	58	1624.000				1624.000		-1624.000				
	2 TLM	116	580.000	40	200.000	30	380.000		-230.000		150.000		350.000
	3. Honorarium	4872	1827.000	40	22.500	70	1804.500		-1354.500		450.000		472.500
	4. Contengency	290	435.000	40	60.000	70	375.000		-165.000		210.000		270.000
	5. Training of ECCE Workers												
	(a) Induction	116	170.520	40	46.000	30	124.520		-90.020		34.500		80.500
	(b) Recurring	290	162.400			40	162.400		-116.400		46.000		46.000
	(c) Anganwari Workers Training												
	TOTAL		**4798.920**		**328.500**		**4470.420**		**-3579.920**		**890.500**		**1219.000**
Q1(b)	ECCE With EGS												
	1. Civil Works												
	2 TLM			5	25.000		-25.000		25.000				25.000
	3. Honorarium			5	41.500	3	-41.500		68.500		27.000		68.500
	4. Contengency			5	7.500	3	-7.500		16.500		9.000		16.500
	5. Training												
	(a) Inductive			5	12.000		-12.000		12.000				12.000
	(b) Recurring			3	3.450	3	-3.450		6.900		3.450		6.900
	TOTAL				**89.450**		**-89.450**		**128.900**		**39.450**		**128.900**
Q2	Training Programms												
	1. Civil Work Trg. (BRC/NPRC/VEC)		30.000		29.600		0.400		-0.400				29.600
	2. Induction Training to Parateachers	156	327.600	123	209.200		118.400		-118.400				209.200
	3. Recurring Training of Parateachers	428	599.200	197	197.000	196	402.200		-10.200		392.000		589.000
	4. In-Service Teacher Trg	3325	2992.500		1033.101	564	1959.399		-1169.799		789.600		1822.701
	5. VEC/SMC Members Training	7500	675.000	11561	759.590		-84.590		205.910		121.320		880.910
	6. NGO Training/Innovative Trg.												
	7. BRC Coordinator/Resource Person Trg. (TOT)	112	67.200		110.919		-43.719		103.619		59.900		170.819
	8. NPRC Co-ord Trg. (Capacity Building)	92	73.600		21.785		51.815		-51.815				21.785
	9. ABSA/SDI Trg	40	32.000				32.000		-32.000				
	10. Head Teacher Training	690	579.600				579.600		-579.600				
	11. DRG Meeting			4	5.525	2	-5.525		12.275		6.750		12.275
	12. BRG Meeting			4	22.800	4	-22.800		68.400		45.600		68.400
	13. BRG Training/DRG			120	67.770		-67.770		84.170		16.400		84.170
	14. Visioning Workshop				41.800		-41.800		41.800				41.800
	15. T.L.M. Workshop at Distt. Level				7.424	4	-7.424		23.424		16.000		23.424
	TOTAL		**5376.700**		**2506.514**		**2870.186**		**-1422.616**		**1447.570**		**3954.084**

Q3	Teaching Learning Material (TLM)	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin
	1. School Improvement Fund	1710	3420.000	1705	3410.000	444	10.000		1766.000		1776.000		5186.000
	2. Teachers Grant	2828	1414.000	1714	859.000	564	555.000		9.000		564.000		1423.000
	3. Free Text Books to SC/ST & Girls	65944	1978.320	70956	2908.351	136000	-930.031		2430.031		1500.000		4408.351
	4. Book Bank	1710	513.000				513.000		-513.000				
	TOTAL		**7325.320**		**7177.351**		**147.969**		**3692.031**		**3840.000**		**11017.351**
Q4	Award to VEC (25.00 Per Block/Year)	16	400.000				400.000		-400.000				
Q5	School Award (5.00 Per Block/Year)	32	160.000				160.000		-160.000				
	TOTAL		**560.000**		**0.000**		**560.000**		**-560.000**				
Q6	**Assesment Study and Evalution**												
	Sharing of outcomes of Mid Turm Assesment Study								30.000		30.000		30.000
	Sharing of outcomes of Final Assesment Study								30.000		30.000		30.000
	Continuous and Comprehensive Evalution								15.000		15.000		15.000
	TOTAL								**75.000**		**75.000**		**75.000**
Q7	Salary of District Coordinartors (Community & Quality)								735.000		735.000		735.000
	TOTAL								**735.000**		**735.000**		**735.000**
	SUB TOTAL (Q1-Q7)		**18060.940**		**10101.815**		**7959.125**		**-931.605**		**7027.520**		**17129.335**
	(C) CAPACITY BUILDING												
C1	School Mapping & Microplanning												
	1. Printing/Survey	4	40.000	4	78.200		-38.200		38.200				78.200
	2. Seminar & Workshop	8	24.000				24.000		-24.000				
	3. Village Level Microplanning	8	120.000				120.000		-120.000				
	TOTAL		**184.000**		**78.200**		**105.800**		**-105.800**		**0.000**		**78.200**
C2	**Operationalising DIETs**												
	1. Rent												
	2. Furniture & Fixture												
	3. Equipments		50.000				50.000		-50.000				
	4. Books		40.000				40.000		-40.000				
	5. Honorarium												
	6. Printing				3.800		-3.800		13.800		10.000		13.800
	7. Travelling Allowance (TA)		200.000		40.000		160.000		-140.000		20.000		60.000
	8. Maintenance												
	9. Workshop/Seminar/Comp Trg.		100.000				100.000		-100.000				
	10. Purchase of Vehicle		350.000				350.000		-350.000				
	11. POL		200.000				200.000		-200.000				
	12. Action Research		100.000				100.000		-80.000		20.000		20.000
	13. Wages of Driver	1	157.500				157.500		-157.500				
	14. Contingency/Consumables				28.050		-28.050		28.050				28.050
	TOTAL		**1197.500**		**71.850**		**1125.650**		**-1075.650**		**50.000**		**121.850**
C3	**Block Resource Centre (BRC)**												
	1. Civil Construction	4	3200.000	4	3066.438		133.562		-133.562				3066.438
	2. Salary of Co-ordinator, Asstt. Cord. & Choukidar	168	3108.000		5064.000	168	-1956.000		4656.000		2700.000		7764.000
	3. Equipment & Furniture	4	600.000	4	600.000								600.000
	4. Travelling Allowance (T.A.)												
	(a) Co-Ordinator/Asstt. Co-Cord.	18	80.000		68.000	18	12.000		18.000		30.000		98.000
	(b) ABSA/SDI				63.114		-63.114		93.114		30.000		93.114

Revised Perspective Plan DPEP 2000 - 2005 District Champawat

Sl. No.	Head / sub Heads / Activity	Approved Perspective Plan/Project Target		Achievement 2000-2004		Remaining Plan for 2004-05 against approved perspective Plan		Additionality		Plan for remaining Project Peried		Revised perspective Plan	
		Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin
	5. Maintenance of Equipment	14	14.000				14.000		-14.000				
	6. Contingency	10	60.000				60.000		-60.000				
	7. Books	12	120.000			4	120.000		-100.000		20.000		20.000
	8. BRC Exhibition/Fair to Teaching Aids	8	160.000			4	160.000		-152.000		8.000		8.000
	9. Purchase of Vehicle (Two Wheeler)												
	10. POL/Maintenance												
	11. Consumable	18	80.000		64.000	4	16.000		24.000		40.000		104.000
	TOTAL		**7422.000**		**8925.552**		**-1503.552**		**4331.552**		**2828.000**		**11753.552**
C4	**District Project Office (DPO)**												
	1. Equipment		200.000		214.778		-14.778		14.778				214.778
	2. furniture & Fixture		120.000		112.287		7.713		-7.713				112.287
	3. Books		40.000				40.000		-40.000				
	4. Purchase of Vehicle		350.000		375.000		-25.000		25.000				375.000
	5. Consultancy Charges		1376.200		4.000		1372.200		-1372.200				4.000
	6. Salary of Staff		6900.000		6465.960		434.040		1270.960		1705.000		8170.960
	7. Travelling Allowance (TA)		200.000		396.083		-196.083		321.083		125.000		521.083
	8. Consumable		150.000		264.689		-114.689		189.689		75.000		339.689
	9. Telephone & Fax		200.000		118.487		81.513		-31.513		50.000		168.487
	10. Vehicle Maintenance & POL		550.000		282.330		267.670		-192.670		75.000		357.330
	11 Maintinance of Equipment		70.000		26.550		43.450		-23.450		20.000		46.550
	12. Seminar/Workshop		160.000		8.550		151.450		-131.450		20.000		28.550
	13. Hiring of Vehicles		45.000		10.000		35.000		-15.000		20.000		30.000
	14. Civil Work Supervisory Consultancy												
	15. District level Exhibition & Fair		100.000				100.000		-80.000		20.000		20.000
	16. Study Tours		160.000				160.000		-140.000		20.000		20.000
	17. Distt. Level Conversion Workshop/Meetings		75.000				75.000		-75.000				
	18. AWP & View Workshop		75.000		48.997		26.003		23.997		50.000		98.997
	19.Research Evaluation		120.000				120.000		-100.000		20.000		20.000
	20. Contigency		104.000				104.000		-104.000				
	21. Motor Cycle/Scooter	9	315.000				315.000		-315.000				
	22. Innovative Fund		400.000				400.000		-390.000		10.000		10.000
	23.. Rent of DPO and Electricity		120.000		84.486		35.514		-20.514		15.000		99.486
	24. POL Motor Cycle												
	25. School Grading				12.250		-12.250		27.250		15.000		27.250
	26. Others												
	TOTAL		**11830.200**		**8424.447**		**3405.753**		**-1165.753**		**2240.000**		**10664.447**

Revised Perspective Plan DPEP 2000 - 2005 District Champawat

Sl. No.	Head / sub Heads / Activity	Approved Perspective Plan/Project Target		Achievement 2000-2004		Remaining Plan for 2004-05 against approved perspective Plan		Additionality		Plan for remaining Project Peried		Revised perspective Plan	
		Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin	Phy	Fin
C5	**MIS/Research & Evaluation**												
	1. MIS Cell Fumishing (Construction)		180.000		2.400		177.600		-172.600		5.000		7.400
	2. EMIS/PMIS Printing & Servey		100.000		49.140		50.860		-30.860		20.000		69.140
	3. MIS Equipment		250.000		20.000		230.000		-220.000		10.000		30.000
	4. computer System Taining		50.000				50.000		-50.000				
	5. Maint of Equipment		120.000		28.830		91.170		-66.170		25.000		53.830
	6. Consumable		150.000		38.480		111.520		-81.520		30.000		68.480
	7. Sample Study												
	TOTAL		**850.000**		**138.850**		**711.150**		**-621.150**		**90.000**		**228.850**
C6	**School Complex (NPRC)**												
	1. Construction	23	644.000	23	644.000								644.000
	2. Salary of Co-ordinator	948	5214.000		10362.000		-5148.000		9648.000		4500.000		14862.000
	3. Equipment	23	345.000		345.000								345.000
	4. Books for Library/Book Bank	69	345.000				345.000		-345.000				
	5. Audiov Visual Hiring Charge	92	73.600		56.000		17.600		1.600		19.200		75.200
	6. Monthly Meetings/TA	92	184.000		140.000		44.000		28.000		72.000		212.000
	7. Contingency				81.500		-81.500		117.500		36.000		117.500
	8. Mela Workshop												
	TOTAL		**6805.600**		**11628.500**		**-4822.900**		**9450.100**		**4627.200**		**16255.700**
C7	**Distance Education**												
	1. Equipments & other		75.000		75.000				80.000		80.000		155.000
	2. Telephone Fax Bills		25.000				25.000		-5.000		20.000		20.000
	3. Maintenance		8.000				8.000		22.000		30.000		30.000
	4. Video Recording & Packaging		800.000				800.000		-780.000		20.000		20.000
	5. Printing materials		60.000				60.000		-60.000				
	TOTAL		**968.000**		**75.000**		**893.000**		**-743.000**		**150.000**		**225.000**
C8	**Integrated Education**												
	1. Distt. Level Workshop		100.000	1	46.424		53.576		-3.576		50.000		96.424
	2. Block level resource support	48	1296.000				1296.000		-1296.000				
	3. Servey Though VEC	8	40.000				40.000		-40.000				
	4. Training of BRG & DRG	40	24.000				24.000		-24.000				
	5. Orientation of Teachers	935	84.150				84.150		-84.150				
	TOTAL		**1544.150**		**46.424**		**1497.726**		**-1447.726**		**50.000**		**96.424**
	SUB TOTAL (C1-C8)		**30801.450**		**29388.823**		**1412.627**		**8622.573**		**10035.200**		**39424.023**
	GRAND TOTAL (A,R,Q,C)		**84788.700**		**65054.852**		**19733.848**		**14762.822**		**34496.670**		**99551.522**

TABLE - E ACTIVITYWISE EXPENDITURE
AWP & B COST 2004-05 (DPEP)
DISTRICT- CHAMPAWAT

Rs. in Thousand

S. No.	ACTIVITY	TOTAL EXPENDITURE	% OF TOTAL EXPENDITURE
1	CIVIL WORK	7690.800	22.29
2	MANAGEMENT	2065.000	5.99
3	QUALITY IMPROVEMENT	24740.870	71.72
	TOTAL	34496.670	100.00

Table - E (1)

वर्षवार योजना तथा व्यय विवरण (डी0पी0ई0पी0)

जनपद का नाम– चम्पावत
सम्पूर्ण योजना हेतु कुल स्वीकृत 84788.700
33 प्रतिशत ई0एफ0सी0 व्यय

धनराशि हजार में

क्र0 सं0	विवरण	अब तक व्यय संचयी या क्यूमिलेटिव व्यय मार्च 2004 तक	वर्ष के लिए आवंटन 2004–05		योग
			नई योजना	शेष जारी	
1	अतिरिक्त कक्षा कक्ष	2856.000	1080.000		1080.000
2	नवीन प्राथमिक विद्यालय	2139.000			
3	ध्वस्त भवनों का पुनर्निर्माण	1528.000	1360.800		1360.800
4	शौचालय	380.000	5250.000		5250.000
5	पेयजल	3138.834			
6	बी.आर.सी. भवन	3200.000			
7	एन.पी.आर.सी. कक्ष	1610.000			
8	विद्यालय भवन की मरम्मत	3136.600			
	योग	**17988.434**	**7690.800**		**7690.800**

District Primary Education Programme
Statement of Management Cost
District - Champawat

Rs. in Lakhs

Sl. No.	EFC Approved Project cost	Proposed revised cost	6% of proposed revised cost	Management cost proposed as per the EFC	Cumulative exp. till March, 2004	Allocation made for 2004-05			Expenditure till March 2004 S.O. + F.P. 2004-05
						Fresh Plan	Anticipated Spill Over	Total	
	847.887	995.515	59.731	50.873	83.750	20.650		20.650	104.400
Total	**847.887**	**995.515**	**59.731**	**50.873**	**83.750**	**20.650**		**20.650**	**104.400**

District Primary Education Programme
Abstract of AWP&B Proosals 2004-05
District - Champawat

Rs. in Lakhs

Sl No.	EFC approvd project Cost	Propoosed revised EFC cost	Cimulative Ant. Expenditure		Average Exp. per year	Approved AWP&B 2003-04 (incl S.O.)	Exp. 2003 04	Anticipated amount saved 2003-04	Spill Over 2004-05	Fress Proposal for 2004-05	Total AWP&B for 2003-05 S.O. + F.P.	Total AWP&B 2004-05 as % of AV. Yearly Exp. (K% of Col.E)	Total AWP&B 2004-05 as % of (Approved revised EFC cost)
			Ammount till March 2004	As % age of A									
	A	B	C	D	E	F	G	G	I	J	K	L	M
	847.887	995.515	650.550	76.720	162.637	207.117	187.800	19.320		344.967	344.967	212.108	34.650
Total	**847.887**	**995.515**	**650.550**	**76.720**	**162.637**	**207.117**	**187.800**	**19.320**		**344.967**	**344.967**	**212.108**	**34.650**

District Primary Education Programme
Statement of Civil work Cost
District - Champawat

Rs. in Lakhs

Sl. No.	EFC Approved Project cost	Proposed revised cost	33.33% of proposed revised cost	Civil Work cost proposed by state	Cumulative exp. till March, 2004	Allocation made for 2004-05			Expenditure till March 2004 S.O. + F.P. 2004-05
						Fresh Plan	Anticipated Spill Over	Total	
	847.887	995.515	331.805	279.800	179.886	76.900		76.900	256.786
Total	**847.887**	**995.515**	**331.805**	**279.800**	**179.886**	**76.900**		**76.900**	**256.786**